हैरी पॉटर

और मायापंछी का समूह

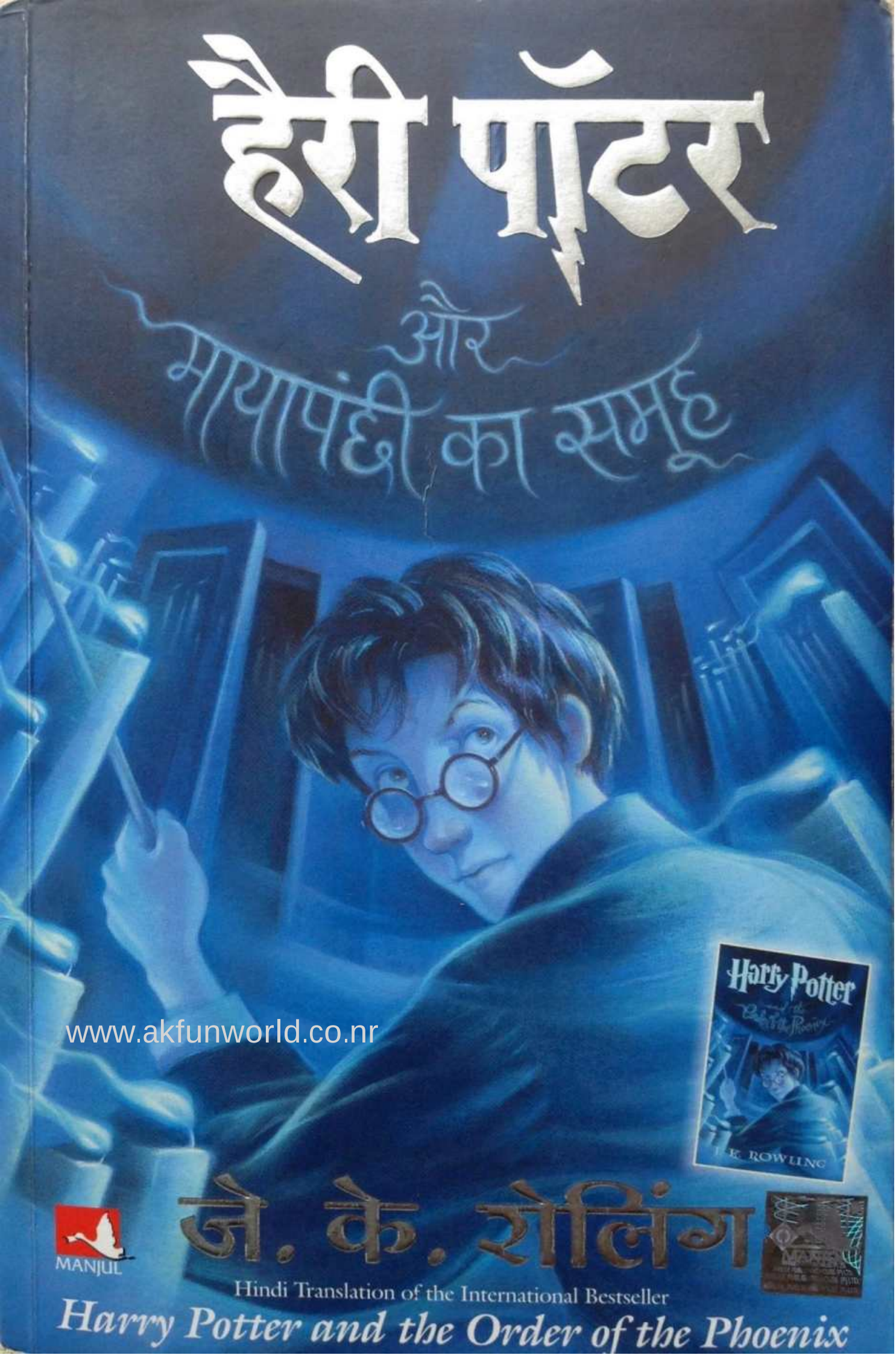

www.akfunworld.co.nr

MANJUL

जे. के. रोलिंग

Hindi Translation of the International Bestseller

Harry Potter and the Order of the Phoenix

अध्याय एक

डडली पर हमला

गर्मियों के मौसम का अब तक का सबसे गर्म दिन था। प्रिविट ड्राइव के बड़े चौकोर मकानों में उनींदी ख़ामोशी पसरी हुई थी। जो कारें आम तौर पर चमचमाती रहती थीं, वे इस समय पोर्च में धूल खा रही थीं। जो लॉन कभी हरे-भरे नज़र आते थे, वे इस वक़्त सूखे और पीले दिख रहे थे, क्योंकि सूखा पड़ने के कारण होज़पाइप के प्रयोग पर पाबंदी लगा दी गई थी। प्रिविट ड्राइव के निवासी आम तौर पर कार धोने और लॉन तराशने के काम में ही जुटे रहते थे। इन कामों से महरूम होने के कारण उन्होंने अपने ठंडे मकानों की छाया में शरण ले ली थी। हवा को आमंत्रित करने के लिए उन्होंने खिड़कियों के पल्ले पूरे खोल रखे थे, हालाँकि यह और बात थी कि हवा बिलकुल भी नहीं चल रही थी। सिर्फ़ एक ही व्यक्ति बाहर नज़र आ रहा था। वह एक किशोर था, जो चार नंबर के मकान के बगीचे की क्यारी में पीठ के बल लेटा हुआ था।

वह लड़का दुबला-पतला था। उसके बाल काले थे और उसने चश्मा लगा रखा था। उसका हुलिया अजीब सा था, जैसे वह बहुत ही कम समय में बहुत लंबा हो गया हो। उसकी जीन्स फटी हुई और गंदी थी। उसकी ढीली-ढाली टी-शर्ट का रंग उड़ चुका था और उसके जूतों के सोल उखड़ रहे थे। वह हैरी पॉटर था। उसका हुलिया पड़ोसियों को रास नहीं आता था, जो यह सोचते थे कि ख़राब हुलिए वालों को जेल में डाल देना चाहिए। लेकिन आज शाम को हैरी एक बड़ी झाड़ी के पीछे छिपा हुआ था, इसलिए मकान के सामने से गुज़रने वाले उसे नहीं देख सकते थे। सच तो यह था कि उसे सिर्फ़ तभी देखा जा सकता था, जब उसके वरनॉन अंकल या पेटूनिया आंटी अपने लिविंग रूम की खिड़की से सिर बाहर निकालकर नीचे क्यारी में झाँकें।

हैरी ख़ुद को शाबाशी दे रहा था कि उसके मन में यहाँ छिपने का बेहतरीन विचार आया। हालाँकि कड़क और तपती ज़मीन पर लेटना बहुत आरामदेह

नहीं था, लेकिन इससे फ़ायदा यह था कि कोई भी उसे ग़ुस्से से नहीं घूर रहा था और अपने दाँत इतनी ज़ोर से नहीं किटकिटा रहा था कि वह टी.वी. की न्यूज़ न सुन पाए। जब भी वह अपने अंकल-आंटी के साथ लिविंग रूम में बैठकर टी.वी. न्यूज़ सुनने की कोशिश करता था, तो वे उससे हमेशा भयानक सवाल पूछने लगते थे, लेकिन यहाँ लेटने का फ़ायदा यह था कि कोई भी उससे सवाल नहीं पूछ रहा था।

ऐसा लगा, जैसे उसके मन की बात खुली खिड़की में से फड़फड़ाती हुई अंदर घुस गई हो, क्योंकि उसी समय हैरी के अंकल वरनॉन डर्स्ली की आवाज़ अचानक सुनाई दी।

'यह देखकर अच्छा लगा कि अब लड़के ने यहाँ बैठना छोड़ दिया है। वैसे वह है कहाँ?'

'क्या पता,' पेटूनिया आंटी ने बिना किसी चिंता के कहा। 'घर में तो नहीं है।'

वरनॉन अंकल गुर्राने लगे।

उन्होंने ग़ुस्से से कहा, '*न्यूज़ देखने चला है* ... मैं जानना चाहता हूँ कि आख़िर वह चाहता क्या है? जैसे किसी सामान्य बच्चे को यह परवाह होगी कि न्यूज़ में क्या आ रहा है - डडली को तो पता ही नहीं है कि दुनिया में क्या हो रहा है। मुझे लगता है, वह तो यह भी नहीं जानता होगा कि हमारा प्रधानमंत्री कौन है! वैसे भी, *उसके जैसे लोगों* का *हमारी* न्यूज़ से क्या लेना-देना हो सकता है -'

'वरनॉन, *धीरे*!' पेटूनिया आंटी बोलीं। 'खिड़की खुली हुई है!'

'ओह - हाँ - सॉरी डियर।'

डर्स्ली दंपति ख़ामोश हो गए। हैरी ने नाश्ते के सामान का विज्ञापन सुनते हुए बाहर देखा कि पड़ोस के विस्टीरिया वॉक में रहने वाली बिल्ली-प्रेमी बुढ़िया मिसेज़ फ़िग धीरे-धीरे चलती हुई पास से गुज़र गईं। उनकी भ्रकुटियाँ चढ़ी हुई थीं और वे कुछ बुदबुदा रही थीं। हैरी बहुत ख़ुश हुआ कि वह झाड़ी के पीछे छिपा हुआ था, क्योंकि पिछले कुछ समय से मिसेज़ फ़िग जब भी उसे सड़क पर देखती थीं, उसे चाय पीने के लिए अपने घर बुलाने लगती थीं। वे गली के कोने पर मुड़ने के बाद ओझल हो गईं। तभी वरनॉन अंकल की आवाज़ खिड़की से दोबारा तैरती हुई बाहर आई।

'डडली चाय-नाश्ते के लिए बाहर गया है?'

'पोलकिस के यहाँ गया है,' पेटूनिया आंटी ने प्यार से कहा। 'उसके बहुत सारे दोस्त हैं! सभी उसे बहुत पसंद करते हैं ...'

हैरी बड़ी मुश्किल से अपनी हँसी रोक पाया। डडली अपने माता-पिता को ख़ूब बेवकूफ़ बना रहा था। उन्होंने डडली के इस सफ़ेद झूठ पर आसानी से यक़ीन कर लिया था कि वह गर्मी की छुट्टियों में हर शाम को अपने गैंग के अलग-अलग लड़कों के घर चाय-नाश्ते पर जाता है। हैरी अच्छी तरह जानता था कि डडली चाय-नाश्ते पर कहीं नहीं जाता था। इसके बजाय वह और उसका गैंग हर शाम को पार्क में तोड़-फोड़ करते थे, नुक्कड़ों पर सिगरेट पीते थे और वहाँ से गुज़रने वाली कारों तथा बच्चों पर पत्थर फेंकते थे। लिटिल व्हिंगिंग में शाम को घूमते समय हैरी ने उनकी यह कारस्तानी देखी थी। दरअसल, हैरी की ज़्यादातर छुट्टियाँ सड़कों की ख़ाक छानते हुए बीती थीं, क्योंकि वह रास्ते के कूड़ेदानों में अख़बार खोजता रहता था।

जब सात बजे की न्यूज़ के शुरू होने का संगीत हैरी के कानों में पहुँचा, तो उसके पेट में मरोड़ उठने लगी। शायद एक महीने के इंतज़ार के बाद आज रात को उसे सही ख़बर सुनने को मिल जाएगी।

'स्पेन के सामान ढोने वालों की हड़ताल दूसरे सप्ताह भी जारी है। इस वजह से बहुत सारे पर्यटक हवाई अड्डे पर फँसे हुए हैं –'

यह सुनते ही वरनॉन अंकल गुर्राकर बोले, 'मैं तो कहता हूँ, उन्हें ज़िंदगी भर घूमने दो।' लेकिन कोई बात नहीं : बाहर क्यारी में हैरी के पेट की मरोड़ ठीक हो गई। अगर कोई बड़ी घटना हुई होती, तो वह न्यूज़ में सबसे पहले आती। मौत और तबाही फँसे हुए पर्यटकों से ज़्यादा महत्वपूर्ण होती हैं।

उसने धीरे से एक लंबी साँस छोड़ी और चमकते हुए नीले आसमान को देखा। इस गर्मी में उसका हर दिन इसी तरह गुज़रा था : तनाव, आशंका, कुछ समय की राहत और फिर से तनाव ... उसे हर वक़्त यही सवाल परेशान करता रहता था कि आख़िर अब तक कुछ हुआ *क्यों* नहीं ?

वह न्यूज़ सुनता रहा। उसने सोचा कि शायद कहीं कोई छोटा सुराग़ छिपा हो, जिसके महत्व को मगलू पहचान न पाए हों – कोई अचानक ग़ायब हो गया हो या फिर कोई अजीब दुर्घटना हो गई हो ... लेकिन हड़ताल के बाद दक्षिण-पूर्व के सूखे की ख़बर आई (जिसे सुनकर वरनॉन अंकल बोले, 'मुझे उम्मीद है कि हमारा पड़ोसी यह सुन रहा होगा! वह सुबह तीन बजे उठकर पौधों को चोरी छिपे पानी देता है!')। फिर एक हेलिकॉप्टर की ख़बर आई, जो सरे के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बचा था। इसके बाद एक मशहूर अभिनेत्री के उसके मशहूर पति से तलाक़ की ख़बर आई ('जैसे हमें उनके घटिया मामलों में दिलचस्पी है,' पेटूनिया आंटी ने नाक चढ़ाते हुए कहा, जो हर पत्रिका में उनके तलाक़ के बारे में छपी ख़बरें चटखारे लेकर पढ़ती थीं)।

हैरी ने शाम के दहकते आसमान की तरफ़ से अपनी आँखें बंद कर लीं, जब समाचार पढ़ने वाली बोली, '- *और अंत में बंगी द बजी ने इस तपती गर्मी से राहत पाने का एक नया तरीक़ा खोज लिया है। बंगी बार्न्सले के फ़ाइव फ़ेदर्स में रहता है और उसने वाटर स्कीइंग सीख ली है! इस बारे में मैरी डोरकिन्स की रिपोर्ट।*'

हैरी ने अपनी आँखें खोल लीं। अगर ख़बरें वाटर-स्कीइंग तक पहुँच गई हैं, तो अब कोई महत्वपूर्ण ख़बर नहीं आ सकती। वह करवट बदलकर सावधानी से पेट के बल लेट गया। फिर खिड़की के नीचे से रेंगने के लिए वह घुटनों और कोहनियों के बल उठा।

वह अभी मुश्किल से दो इंच ही हिला होगा कि तभी एक साथ कई घटनाएँ हुईं।

ख़ामोशी में एक *तेज़ आवाज़* गूँजी, जैसे किसी बंदूक से गोली चली हो। पोर्च में खड़ी एक कार के नीचे से एक बिल्ली निकली और भागती हुई ओझल हो गई। डर्स्ली दंपति के लिविंग रूम में कोई चीख़ा, किसी ने ग़ुस्से में गाली दी और चीनी मिट्टी के किसी बर्तन के टूटने की आवाज़ आई। और जैसे हैरी इसी संकेत का इंतज़ार कर रहा था, वह तेज़ी से उछलकर खड़ा होने लगा और उसने अपनी जीन्स में से छड़ी इस तरह बाहर निकाल ली, जैसे म्यान में से तलवार निकाल रहा हो - लेकिन इससे पहले कि वह पूरी तरह खड़ा हो पाता, उसके सिर का ऊपरी हिस्सा डर्स्ली दंपति की खुली खिड़की से टकरा गया। इससे जो *धमाका* हुआ, उसे सुनकर पेटूनिया आंटी और ज़ोर से चीख़ने लगीं।

हैरी को ऐसा लगा, जैसे उसके सिर के दो टुकड़े हो गए हों। उसकी आँखों में आँसू आ गए। डगमगाते हुए उसने सड़क की तरफ़ देखा। वह जानना चाहता था कि वह आवाज़ कहाँ से आई है, लेकिन अभी वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पाया था कि तभी दो बड़े बैंगनी हाथ खुली खिड़की से बाहर निकले और उसके गले पर आकर जम गए।

'*उसे - छिपा - लो!*' वरनॉन अंकल हैरी के कान में गुर्राए। '*अभी! किसी - के - देखने - से - पहले!*'

'मुझे - छोड़ - दो!' हैरी ने हाँफते हुए कहा। कुछ पल तक वे दोनों जूझते रहे। हैरी ने बाएँ हाथ से अंकल की मोटी-मोटी उँगलियों को हटाने की कोशिश की। दाएँ हाथ में उसने अपनी छड़ी कसकर पकड़ रखी थी। फिर जब हैरी के सिर का दर्द बहुत तेज़ हो गया, तो वरनॉन अंकल ने चीख़कर हैरी को इस तरह छोड़ दिया, जैसे उन्हें बिजली का झटका लगा हो। उन्हें ऐसा लगा, जैसे उनके भांजे में से कोई अदृश्य शक्ति निकल रही हो, जिस वजह से उसे पकड़े रखना

संभव नहीं था।

हाँफता हुआ हैरी झाड़ी की तरफ़ गिरा, उठकर खड़ा हुआ और चारों तरफ़ घूरने लगा। वहाँ पर ऐसा कोई सुराग़ नहीं था, जिससे यह पता चल सके कि वह तेज़ आवाज़ क्यों हुई थी, लेकिन आस-पास के मकानों की खिड़कियों से कई चेहरे बाहर झाँकने लगे थे। हैरी ने जल्दी से छड़ी जीन्स में रख ली और मासूम दिखने की कोशिश करने लगा।

'कितनी प्यारी शाम है!' वरनॉन अंकल ने चिल्लाकर सात नंबर के मकान वाली महिला की तरफ हाथ हिलाया, जो अपने जालीदार पर्दों के पीछे से ग़ुस्से से घूर रही थी। 'क्या आपने किसी कार के बैकफ़ायर करने की आवाज़ सुनी थी? उसे सुनकर मैं और पेटूनिया तो चौंक ही गए थे!'

वे भयानक तरीक़े से तब तक खीसें निपोरते रहे, जब तक कि सभी उत्सुक पड़ोसी अपनी खिड़कियों से ग़ायब नहीं हो गए। फिर उनके चेहरे पर मुस्कराहट की जगह ग़ुस्से की लकीरें आ गईं और उन्होंने हैरी को इशारे से अपने पास बुलाया।

हैरी कुछ क़दम पास गया, लेकिन वह जान-बूझकर उस जगह से थोड़ी दूर रुक गया, जहाँ वरनॉन अंकल के हाथ उसका गला दबाने का कार्यक्रम दोबारा शुरू कर सकें।

'इस *हरकत* से तुम्हारा क्या मतलब है, लड़के?' वरनॉन अंकल ने ग़ुस्से से काँपती आवाज़ में पूछा।

'किस हरकत से?' हैरी ने ठंडेपन से पूछा। वह सड़क पर दाएँ-बाएँ नज़र दौड़ा रहा था और अब भी आवाज़ करने वाले को देखने की उम्मीद कर रहा था।

'हमारे घर के ठीक बाहर गोली चलने जैसी आवाज़ क्यों की -'

'मैंने वह आवाज़ नहीं की,' हैरी ने दृढ़ता से कहा।

पेटूनिया आंटी का दुबला और घोड़ी जैसा चेहरा अब वरनॉन अंकल के चौड़े बैंगनी चेहरे के पास आ गया था। वे आगबबूला दिख रही थीं।

'तुम हमारी खिड़की के नीचे क्यों छिपे थे?'

'हाँ - *हाँ*, बहुत बढ़िया बात कही, पेटूनिया! *लड़के, तुम हमारी खिड़की के नीचे क्या कर रहे थे?*'

'न्यूज़ सुन रहा था,' हैरी ने सच्चाई बताते हुए कहा।

अंकल-आंटी हैरानी से एक-दूसरे को देखने लगे।

'न्यूज़ सुन रहे थे! *एक बार फिर?*'

हैरी बोला, 'न्यूज़ हर दिन बदलती रहती है, है ना?'

'लड़के, मेरे सामने ज़्यादा होशियारी मत दिखाओ! मैं जानना चाहता हूँ कि तुम्हारे इरादे क्या हैं – और मुझे यह पुड़िया मत देना कि *तुम न्यूज़ सुन रहे थे*! तुम अच्छी तरह जानते हो कि *तुम्हारे जैसे लोगों* –'

'धीरे, वरनॉन!' पेटूनिया आंटी फुसफुसाईं। इसके बाद वरनॉन अंकल ने अपनी आवाज़ इतनी धीमी कर ली कि हैरी भी उनकी बात मुश्किल से सुन पाया '– कि *तुम्हारे जैसे लोगों की ख़बरें हमारी न्यूज़ में* नहीं आती हैं!'

हैरी ने कहा, 'आपको क्या पता?'

डर्स्ली दंपति कुछ पल तक उसे ग़ुस्से से घूरते रहे। फिर पेटूनिया आंटी बोलीं, 'तुम एक नंबर के झूठे हो।' उनकी आवाज़ इतनी धीमी थी कि हैरी को उनके होंठों से शब्दों का अंदाज़ा लगाना पड़ा, '– यहाँ मँडराने वाले उल्लू अगर तुम्हें ख़बर नहीं दे रहे हैं, तो क्या कर रहे हैं?'

'ओहो!' वरनॉन अंकल ने विजयी अंदाज़ में कहा। 'लड़के, इस सवाल का जवाब देकर बताओ! जैसे हमें यह पता ही नहीं है कि तुम्हें अपने मतलब की सारी ख़बरें उन बेहूदा पक्षियों से मिलती हैं!'

हैरी एक पल के लिए झिझका। इस बार सच बोलने में उसे बहुत कष्ट हो रहा था, हालाँकि उसके अंकल-आंटी को तो उसके कष्ट का अंदाज़ा भी नहीं हो सकता था।

उसने सपाट लहज़े में कहा, 'उल्लू ... मुझे कोई ख़बर नहीं दे रहे हैं।'

पेटूनिया आंटी तत्काल बोलीं, 'मुझे तो इस बात पर यक़ीन नहीं है।'

'मुझे भी नहीं है,' वरनॉन अंकल ने जोश से कहा।

फिर पेटूनिया आंटी बोलीं, 'हमें पता है कि तुम किसी अजीब गुनताड़े में लगे हो।'

वरनॉन अंकल ने उसे चमकाते हुए कहा, 'देखो, हम मूर्ख नहीं हैं।'

'लग तो *ऐसा ही* रहा है,' हैरी बोला। अब उसका पारा चढ़ने लगा था। और इससे पहले कि डर्स्ली दंपति उसे वापस बुलाएँ, वह मुड़कर मकान के सामने वाले लॉन के पार गया और बगीचे की नीची दीवार को फाँदकर सड़क पर पहुँच गया।

वह अच्छी तरह जानता था कि अब वह संकट में फँस चुका है। उसे बाद में अंकल-आंटी का सामना करना पड़ेगा और अपनी बदतमीज़ी की क़ीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन इस समय उसे इस बात की ज़रा भी परवाह नहीं थी। उसके दिमाग़ में इससे ज़्यादा महत्वपूर्ण बातें थीं।

हैरी को यक़ीन था कि वह आवाज़ ज़रूर किसी के अंतर्ध्यान या प्रकट होने की आवाज़ थी। डॉबी नाम का घरेलू जिन्न हवा में ग़ायब होते समय ऐसी ही आवाज़ करता था। कहीं डॉबी तो प्रिविट ड्राइव में नहीं आया था? क्या डॉबी इस वक़्त भी उसका पीछा कर रहा होगा? यह ख़्याल आते ही उसने मुड़कर प्रिविट ड्राइव की तरफ़ देखा, लेकिन वहाँ कोई नहीं दिख रहा था और हैरी को यक़ीन था कि डॉबी अदृश्य रहकर पीछा नहीं कर सकता है।

वह सड़क पर चलता रहा। उसे यह पता नहीं था कि वह किधर जा रहा था। बहरहाल, कुछ समय से वह इन सड़कों पर इतना ज़्यादा घूम रहा था कि उसके पैर ख़ुदबख़ुद उसके प्रिय ठिकानों की तरफ़ चले जा रहे थे। थोड़ी-थोड़ी देर बाद वह पलटकर देखता जा रहा था। उसे यक़ीन था कि जब वह पेटूनिया आंटी के बगीचे में लेटा हुआ था, तो कोई न कोई जादूगर या जादुई प्राणी उसके आस-पास ज़रूर था। अगर ऐसा था, तो उसने हैरी से बात क्यों नहीं की, संपर्क क्यों नहीं किया और वह चला क्यों गया?

फिर उसकी कुंठा बढ़ने लगी और उसका यक़ीन कम होने लगा।

शायद वह आवाज़ जादुई न हो। शायद वह जादुई दुनिया से संपर्क करने के लिए इतना उतावला था कि सामान्य आवाज़ को भी जादुई मान बैठा था। क्या वह *यक़ीन* के साथ कह सकता था कि वह आवाज़ पड़ोस के किसी मकान में किसी चीज़ के टूटने की नहीं थी?

हैरी को अपने पेट में एक बोझ सा महसूस हुआ और उसे पता चलने से पहले ही निराशा की भावना, जो गर्मियों भर उसे सताती रही थी, एक बार फिर उस पर हावी हो गई।

कल सुबह वह पाँच बजे के अलार्म से एक बार फिर उठेगा और *दैनिक जादूगर* लाने वाले उल्लू को नट देगा - लेकिन क्या अब अख़बार लेने से कोई फ़ायदा था? हैरी इन दिनों बस पहले पन्ने पर सरसरी निगाह डालने के बाद ही अख़बार फेंक देता था। वह सोच रहा था कि मूर्ख अख़बार वालों को जब वोल्डेमॉर्ट के लौटने का पता चलेगा, तो वह ख़बर पहले पन्ने पर छपेगी और हैरी को उसी ख़बर का इंतज़ार था।

अगर उसकी क़िस्मत अच्छी हुई, तो उसके सबसे अच्छे दोस्तों रॉन और हर्माइनी की चिट्ठियाँ आ जाएँगी, हालाँकि उनकी चिट्ठियों से भी उसे कोई ख़ास जानकारी नहीं मिलती थी। उसने काफ़ी पहले यह उम्मीद छोड़ दी थी।

ज़ाहिर है, हम तुम-जानते-हो-कौन के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं लिख सकते ... हमें महत्वपूर्ण बातें लिखने से मना कर दिया गया है, क्योंकि रास्ते में कोई भी इन चिट्ठियों को हथियाकर पढ़ सकता है ... हम काफ़ी व्यस्त हैं,

लेकिन हम तुम्हें विस्तार से कुछ नहीं बता सकते ... काफ़ी कुछ हो रहा है। मुलाक़ात होने पर सब कुछ बताएँगे ...

लेकिन उनसे मुलाक़ात आख़िर कब होगी? कोई भी उसे इसकी निश्चित तारीख़ नहीं बता रहा था। हर्माइनी ने हैरी के जन्मदिन पर भेजे कार्ड में लिखा था, *उम्मीद है कि हम तुमसे जल्दी ही मिलेंगे।* लेकिन वह जल्दी कितनी जल्दी आएगा? हैरी ने उनकी चिट्ठियों के अस्पष्ट संकेतों से इतना अंदाज़ा तो लगा लिया था कि हर्माइनी और रॉन एक ही जगह पर थे, शायद रॉन के मम्मी-डैडी के घर पर। उससे यह सहन नहीं हो रहा था कि वे दोनों रॉन के घर पर मज़े कर रहे होंगे, जबकि वह प्रिविट ड्राइव में फँसा हुआ था। दरअसल उसे उन पर इतना ग़ुस्सा आ रहा था कि उसने हनीड्यूक्स चॉकलेट के उन दोनों पैकेटों को बिना खोले ही फेंक दिया, जो उन्होंने उसके जन्मदिन पर भेजे थे। बाद में वह अपनी इस बेवकूफ़ी पर बड़ा पछताया था, क्योंकि उस रात पेटूनिया आंटी ने डिनर में उसे सिर्फ़ सूखा सलाद खिलाया था।

रॉन और हर्माइनी आख़िर किस काम में व्यस्त थे? हैरी क्यों व्यस्त नहीं था? क्या उसने यह साबित नहीं कर दिया था कि वह उनसे ज़्यादा बड़े काम कर सकता है? क्या वे लोग भूल गए थे कि उसने कितना कुछ किया है? *वही* तो क़ब्रिस्तान में गया था, उसी ने तो सेडरिक की हत्या होते देखी थी, उसी को तो क़ब्र के पत्थर से बाँधा गया था और वही तो वोल्डेमॉर्ट के हाथों मरते-मरते बचा था।

इस बारे में मत सोचो, हैरी ने इन गर्मियों में ख़ुद को सौवीं बार गंभीरता से याद दिलाया। रात को सपनों में वह बार-बार क़ब्रिस्तान में पहुँच जाता था ... बस इतना ही काफ़ी था, दिन में उस घटना को याद करने की कोई ज़रूरत नहीं थी।

वह मैग्नोलिया क्रेसेन्ट के पास पहुँचकर एक मोड़ पर मुड़ा। वह उस गैरेज के पास वाली सँकरी गली से गुज़रा, जहाँ उसने अपने गॉडफ़ादर सिरियस को पहली बार देखा था। कम से कम सिरियस तो हैरी के दिल की भावनाओं को समझता था। हालाँकि रॉन और हर्माइनी की चिट्ठियों की तरह ही उसकी चिट्ठियों में भी कोई महत्वपूर्ण जानकारी नहीं होती थी, लेकिन कम से कम उनमें चिढ़ाने वाले संकेतों के बजाय सावधानी और सांत्वना की बातें तो होती थीं : *मैं जानता हूँ कि इससे तुम्हें बेचैनी हो रही होगी ... अपने हाथ साफ़ रखना ... कुछ समय बाद सब कुछ* ***ठीक*** *हो जाएगा ... सावधान रहना और ग़ुस्से में कोई क़दम मत उठाना ...*

हैरी मैग्नोलिया क्रेसेन्ट पार करके मैग्नोलिया रोड पर मुड़ा और पार्क की

तरफ़ चल दिया। हैरी सोच रहा था कि वह काफ़ी हद तक सिरियस की सलाह पर ही चला था। उसने अपनी इस इच्छा को भी दबा लिया था कि वह जादुई झाड़ू पर संदूक बाँधकर रॉन के घर की तरफ़ उड़ जाए। वह सोच रहा था कि उसका व्यवहार क़ाबिलेतारीफ़ था, अगर इस बारे में सोचा जाए कि प्रिविट ड्राइव में इतने लंबे समय तक फँसे रहने के कारण वह कितना कुंठित और नाराज़ था। उसकी हालत तो इतनी ख़राब हो चुकी थी कि उसे क्यारियों में छिपकर न्यूज़ सुननी पड़ रही थी, ताकि किसी ख़बर से उसे यह पता चल सके कि लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट क्या कर रहा था। चाहे जो हो, उसे यह बात चुभ रही थी कि उसे ग़ुस्से में कोई क़दम न उठाने की सलाह वह दे रहा था, जो बारह साल तक जादूगरों की जेल अज़्काबान में क़ैद रहा था। यह सलाह वह दे रहा था, जिसने वहाँ से भागने के बाद वह हत्या करने की कोशिश की थी, जिसके लिए उसे सज़ा हुई थी और जो चुराए हुए गरुड़अश्व पर बैठकर भाग गया था।

हैरी पार्क के बंद गेट को फाँदकर अंदर गया और मुरझाई हुई घास पर चलने लगा। पास की सड़कों की तरह ही पार्क भी सूना था। झूलों के पास पहुँचकर वह उस इकलौते सही-सलामत झूले पर बैठ गया, जो डडली और उसके दोस्तों के हाथों टूटने से अब तक बचा हुआ था। झूले की जंज़ीर पर एक हाथ रखकर वह एकटक ज़मीन की तरफ़ घूरने लगा। अब वह दोबारा डर्स्ली दंपति के बगीचे की क्यारी में नहीं छिप पाएगा। कल उसे न्यूज़ सुनने का कोई नया तरीक़ा सोचना पड़ेगा। लेकिन तब तक उसका समय बहुत ही बुरा गुज़रेगा। एक बार फिर उसकी रात बेचैनी में कटेगी, क्योंकि जब उसे सेडरिक के बुरे सपने नहीं आते थे, तब भी उसे लंबे अँधेरे गलियारे दिखते थे, जो बंद दीवारों और दरवाज़ों के सामने पहुँचकर ख़त्म हो जाते थे। उसे लगता था कि बंधन में रहने के कारण उसे ऐसे सपने दिखते होंगे। उसके माथे का पुराना निशान भी अब बार-बार दुखने लगा था, लेकिन वह अच्छी तरह जानता था कि अब रॉन, हर्माइनी या सिरियस इसमें कोई दिलचस्पी नहीं लेंगे। पहले तो निशान दुखने से यह चेतावनी मिल जाती थी कि वोल्डेमॉर्ट दोबारा ताक़तवर बन रहा है, लेकिन अब वे लोग शायद कहेंगे कि वोल्डेमॉर्ट की वापसी के बाद इसका बार-बार दुखना स्वाभाविक था ... चिंता की कोई बात नहीं है ... यह ख़बर पुरानी है ...

इस नाइंसाफ़ी से उसके मन में इतना आक्रोश भर गया कि वह ग़ुस्से से चिल्लाना चाहता था। अगर वह नहीं होता, तो किसी को भी वोल्डेमॉर्ट के लौटने का पता ही नहीं चलता! और उसे इसका इनाम यह मिला कि वह पूरे चार हफ़्तों से लिटिल व्हिंगिंग में फँसा हुआ है, जादुई दुनिया से पूरी तरह से कटा हुआ है और वाटर-स्कीइंग करने वालों की ख़बर सुनने के लिए सूखी क्यारियों में लोट

लगा रहा है! डम्बलडोर उसे इतनी आसानी से कैसे भूल गए? रॉन और हर्माइनी उसके बिना एक साथ कैसे रह रहे थे? उसे कब तक यह सहन करना पड़ेगा कि सिरियस उसे अच्छे बच्चे की तरह व्यवहार करने की सलाह दे? वह *दैनिक जादूगर* के मूर्खों को चिट्ठी लिखकर यह बताना चाहता था कि वोल्डेमॉर्ट लौट आया है। वह कब तक अपनी इस इच्छा को दबाए? ये ग़ुस्से भरे विचार हैरी के दिमाग़ में घुमड़ते रहे और उसके पेट में ग़ुस्से की मरोड़ें उठती रहीं। उमस भरी मख़मली रात का अँधेरा छाने लगा था। गर्म हवा में सूखी घास की गंध भरी थी और पार्क की रेलिंगों के पार सड़क पर जा रही कारों के अलावा किसी तरह की आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी।

उसे यह पता नहीं था कि वह कितनी देर झूले पर बैठा रहा। कुछ आवाज़ों से उसके विचारों का सिलसिला टूटा और उसने सिर उठाकर देखा। पास वाली सड़कों पर स्ट्रीटलैंप जल चुके थे। उनकी हल्की रोशनी में उसने कुछ लोगों को पार्क के पास से गुज़रते हुए देखा। उनमें से एक ज़ोर-ज़ोर से कोई भद्दा गाना गा रहा था। बाक़ी हँस रहे थे। कई महँगी रेसिंग बाइकों की आवाज़ें आ रही थीं, जिन्हें वे धीरे-धीरे चला रहे थे।

हैरी उन लोगों को जानता था। सबसे आगे वाला लड़का बेशक उसका मौसेरा भाई डडली डर्स्ली था, जो अपने वफ़ादार गैंग के साथ घर की तरफ़ जा रहा था।

डडली पहले जितना ही मोटा था, लेकिन एक साल की डाइटिंग और एक नई प्रतिभा के उदय के कारण उसके शरीर में काफ़ी बदलाव आ गया था। जैसा वरनॉन अंकल हर सुनने वाले को ख़ुशी-ख़ुशी बताते थे, डडली हाल ही में साउथईस्ट का जूनियर हैवीवेट इंटर-स्कूल बॉक्सिंग चैंपियन बन गया था। वरनॉन अंकल बॉक्सिंग को 'शानदार खेल' कहने लगे थे। इसकी वजह से डडली पुराने स्कूल के उन दिनों से भी भयानक दिखने लगा था, जब वह हैरी को अपने मुक्कों का निशाना बनाता था। अब हैरी को अपने कज़िन से ज़रा भी डर नहीं लगता था, लेकिन फिर भी वह डडली के बॉक्सिंग चैंपियन बनने की ख़बर सुनकर ख़ुश नहीं हुआ। पड़ोस के सभी बच्चे डडली से डरते थे। वे उससे 'पॉटर लड़के' से भी ज़्यादा डरते थे, जिसके बारे में उनके माता-पिता ने उन्हें चेतावनी दे दी थी कि वह पक्का गुंडा है और लाइलाज अपराधी बच्चों के लिए सुरक्षित सेंट ब्रूटस केंद्र में पढ़ता है।

घास के पार उन धुँधली आकृतियों को जाते देखकर हैरी सोचने लगा कि आज रात उन्होंने किसकी पिटाई की होगी। हैरी ने उन्हें *देखते हुए* मन ही मन सोचा : *ज़रा मुड़कर तो देखो ... मैं यहाँ अकेला बैठा हूँ ... आकर मुझे परेशान करो ...*

अगर डडली के दोस्त उसे वहाँ बैठा देख लेंगे, तो वे यक़ीनन उसकी तरफ़ आएँगे। तब डडली क्या करेगा? अपने गैंग के सामने झुकना उसे पसंद नहीं आएगा, लेकिन वह तो हैरी को चिढ़ाने की बात सोचकर ही दहशत में आ जाएगा ... डडली की दुविधा को देखने में सचमुच मज़ा आएगा, क्योंकि हैरी जानता था कि डडली को चिढ़ाने पर भी वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा ... और अगर उसके साथियों में से किसी ने हैरी को मारने की कोशिश की, तो वह तैयार था – उसके पास छड़ी थी। उन्हें कोशिश तो करने दो ... वह उन लड़कों पर अपनी भड़ास निकालेगा, जिन्होंने कभी उसकी ज़िंदगी को नर्क बनाया था।

लेकिन उन लोगों ने मुड़कर नहीं देखा। उन्हें हैरी नहीं दिखा। वे अब रेलिंग के पास पहुँच चुके थे। हैरी का मन हुआ कि वह उन्हें पीछे से आवाज़ देकर बुलाए, लेकिन उसने अपनी इच्छा दबा ली ... अपनी तरफ़ से झगड़ा मोल लेना समझदारी नहीं थी ... उसे जादू का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए ... वरना उसे स्कूल से निकाल दिया जाएगा।

डडली के गैंग की आवाज़ें अब सुनाई नहीं दे रही थीं। वे ओझल हो गए थे और मैग्नोलिया रोड की तरफ़ जा रहे थे।

हैरी ने उदासी से सोचा, *यह लो सिरियस। ग़ुस्से को दबा लिया। अपने हाथ और नाक-कान साफ़ रखे। तुम होते, तो इतना संयम नहीं रख पाते।*

उसने खड़े होकर अँगड़ाई ली। पेटूनिया आंटी और वरनॉन अंकल को लगता था कि डडली शाम को जब भी घर लौटता था, वह घर लौटने का सही समय होता था और उसके बाद बहुत देर हो जाती थी। वरनॉन अंकल ने हैरी को धमकी दे रखी थी कि अगर वह डडली के आने के बाद घर लौटा, तो वे उसे शेड में बंद कर देंगे, इसलिए अपनी जम्हाई दबाते हुए और त्योरियाँ चढ़ाते हुए हैरी पार्क के गेट की तरफ़ बढ़ा।

प्रिविट ड्राइव की तरह ही मैग्नोलिया रोड पर भी सुंदर लॉन वाले बहुत सारे बड़े और चौकोर मकान थे। इन मकानों के मालिक भी उतने ही बड़े तथा चौकोर थे और वरनॉन अंकल जैसी साफ़-सुथरी कारें चलाते थे। हैरी को लिटिल व्हिंगिंग रात में ज़्यादा अच्छा लगता था, जब पर्दे लगी खिड़कियाँ अँधेरे में रत्नों की तरह चमकती थीं और उनके पास से गुज़रते समय उसे अपने 'आवारा' जैसे हुलिए के बारे में ताने नहीं सुनने पड़ते थे। वह तेज़-तेज़ क़दमों से चल रहा था, इसलिए मैग्नोलिया रोड के आधे रास्ते पर ही उसे डडली का गैंग दोबारा दिखाई दे गया। वे मैग्नोलिया क्रेसेन्ट के छोर पर एक-दूसरे से विदा ले रहे थे। हैरी एक बड़े पेड़ की छाया में खड़े होकर इंतज़ार करने लगा।

'... वह सुअर की तरह चिंघाड़ा था, है ना?' मैल्कम दूसरों के हँसते समय

कह रहा था।

पियर्स ने कहा, 'डडली दादा, आपने सीधे हाथ से बहुत बढ़िया पंच मारा।'

डडली बोला, 'कल ठीक उसी समय?'

गॉर्डन ने कहा, 'मेरे घर पर। कल मेरे मम्मी-डैडी बाहर जा रहे हैं।'

'मिलते हैं,' डडली ने कहा।

'बाय, डड!'

'मिलते हैं, डडली दादा!'

हैरी ने गैंग के बाक़ी लड़कों के जाने का इंतज़ार किया। जब उनकी आवाज़ें आना बंद हो गईं, तो वह मैग्नोलिया क्रेसेन्ट के मोड़ पर मुड़कर जल्दी-जल्दी चला और डडली के पास पहुँच गया, जो गुनगुनाता हुआ आराम से चला जा रहा था।

'हाय, डडली दादा!'

डडली ने पलटकर देखा।

'ओह,' उसने बुदबुदाकर कहा। 'तो तुम हो!'

हैरी ने उसे चिढ़ाते हुए पूछा, 'तुम "डडली दादा" कब से बन गए?'

डडली ने मुड़कर गुर्राते हुए कहा, 'चुप रहो।'

'बढ़िया नाम है,' हैरी ने मुस्कराकर अपने कज़िन के साथ चलते हुए कहा। 'लेकिन मेरे लिए तो तुम हमेशा "राजदुलारे" ही रहोगे।'

'मैंने कहा, **चुप रहो!**' डडली ने कहा, जिसके मोटे हाथ अब मुक्के के आकार में बँध गए थे।

'क्या तुम्हारे दोस्तों को पता नहीं है कि तुम्हारी मम्मी तुम्हें क्या कहकर पुकारती हैं?'

'अपना मुँह बंद रखो।'

'तुम अपनी *मम्मी* से तो मुँह बंद रखने को नहीं कहते हो? "लाड़ले मुन्नू" और "राजा बेटा" कैसे नाम हैं? क्या मैं तुम्हें इन नामों से पुकार सकता हूँ?'

डडली कुछ नहीं बोला। वह हैरी का मुँह तोड़ना चाहता था और ख़ुद को रोकने के लिए उसे बहुत संयम रखना पड़ रहा था।

'तो तुमने आज रात को फिर किसी की पिटाई कर दी?' हैरी ने कहा। 'दस साल के लड़के की? मैं जानता हूँ कि दो दिन पहले तुमने मार्क इवान्स की पिटाई की थी –'

डडली ने गुर्राकर कहा, 'उसने हरकत ही ऐसी की थी।'

'अच्छा ?'

'उसने मेरा मज़ाक़ उड़ाया था।'

'अच्छा ? क्या उसने यह कहा था कि तुम एक ऐसे सुअर की तरह दिखते हो, जो अपने पिछले पैरों पर चलना सीख चुका है ? लेकिन डडली, यह मज़ाक़ नहीं है, यह तो सच है।'

यह सुनकर डडली के जबड़े की एक मांसपेशी फड़कने लगी। हैरी को यह जानकर बड़ा संतोष हुआ कि वह डडली को इतना ताव दिला रहा था। उसे ऐसा लगा, जैसे वह अपनी कुंठा अपने कज़िन में भर रहा है, क्योंकि वह सिर्फ़ उसी पर तो अपनी भड़ास निकाल सकता था।

वे उस सँकरी गली में मुड़े, जहाँ हैरी ने सिरियस को पहली बार देखा था। वह गली मैग्नोलिया क्रेसेन्ट और विस्टीरिया वॉक के बीच का शॉर्टकट थी। स्ट्रीटलैंप न होने की वजह से उस गली में बाक़ी सड़कों से कम ट्रैफ़िक रहता था और इस वक़्त वह बिलकुल ख़ाली थी। एक तरफ़ बने गैरेज की दीवारों और दूसरी तरफ़ की ऊँची फ़ेंस के कारण उनके क़दमों की आवाज़ दब गई थी।

डडली ने कुछ पल बाद कहा, 'तुम उस चीज़ के कारण ख़ुद को तीसमारखाँ समझते हो, है ना ?'

'कौन सी चीज़ ?'

'वही, जिसे तुम छिपाए हुए हो।'

हैरी एक बार फिर मुस्कराया।

'डडली, तुम उतने मूर्ख नहीं हो, जितने दिखते हो! लेकिन मुझे लगता है, अगर तुम उतने मूर्ख होते, तो तुम एक साथ चल और बोल नहीं सकते थे।'

हैरी ने अपनी छड़ी बाहर निकाली। डडली ने उसकी तरफ़ कनखियों से देखा।

डडली ने फ़ौरन कहा, 'तुम्हें इसकी इजाज़त नहीं है। मैं जानता हूँ कि तुम्हें इसकी इजाज़त नहीं है। तुम्हें उस बेहूदा स्कूल से निकाल दिया जाएगा।'

'डडली दादा, तुम्हें यह बात कैसे मालूम कि स्कूल वालों ने नियम नहीं बदले हैं ?'

'उन्होंने नहीं बदले हैं,' डडली ने कहा, हालाँकि उसकी आवाज़ में संदेह झलक रहा था।

हैरी धीरे से हँसा।

डडली गुर्राकर बोला, 'इस चीज़ के बिना तुममें मेरा सामना करने की हिम्मत नहीं है, है ना?'

'और तुम्हें तो दस साल के लड़के से भिड़ने के लिए अपने साथ चार दोस्तों की ज़रूरत पड़ती है। तुम उस बॉक्सिंग चैंपियनशिप की डींगें हाँकते रहते हो। तुम्हारा विरोधी कितना बड़ा था? सात साल का? आठ साल का?'

डडली ने कहा, 'तुम्हारी जानकारी के लिए बता दूँ कि वह सोलह साल का था। यही नहीं, मुझसे मुक़ाबला करने के बाद वह बीस मिनट तक बेहोश पड़ा रहा और उसका वज़न तुमसे दुगुना होगा। तुम रुको तो सही, मैं डैडी को बताता हूँ कि तुमने वह चीज़ बाहर निकाली थी –'

'अच्छा, अब डैडी के पास भाग रहे हो? क्या छोटा बॉक्सिंग चैंपियन बुरे हैरी की छड़ी से डर गया?'

डडली ने व्यंग्य करते हुए कहा, 'रात को तुम्हारी बहादुरी कहाँ चली जाती है?'

'इस समय रात है, लाड़ले मुन्नू। जब चारों तरफ़ इस तरह अँधेरा छा जाता है, तो लोग-बाग इसे रात कहते हैं।'

डडली ने गुर्राकर कहा, 'मेरा मतलब है, सोने के बाद!'

डडली ने चलना बंद कर दिया। हैरी भी रुककर अपने कज़िन को घूरने लगा। उसे डडली के बड़े थोबड़े की जितनी भी झलक दिख रही थी, उससे यह साफ़ ज़ाहिर था कि उस पर अजीब सा विजयी अंदाज़ था।

हैरी ने हैरानी से पूछा, 'तुम्हारा क्या मतलब है, सोते समय मेरी बहादुरी कहाँ चली जाती है? मैं किस चीज़ से डरूँगा, तकियों से?'

डडली हाँफते हुए बोला, 'मैंने कल रात को तुम्हारी आवाज़ सुनी थी। तुम नींद में *बड़बड़ा रहे थे और सिसक रहे थे।*'

'तुम्हारा क्या मतलब है?' हैरी ने दोबारा पूछा, लेकिन उसके पेट में एक ठंडी लहर दौड़ गई। पिछली रात को उसे फिर से क़ब्रिस्तान का सपना दिखा था।

डडली ने कुत्ते की तरह कर्कशता से हँसने के बाद तीखी सुबकती आवाज़ में हैरी की नक़ल करते हुए कहा।

'"सेडरिक को मत मारो! सेडरिक को मत मारो!" यह सेडरिक कौन है – तुम्हारा बॉयफ़्रेंड?'

'मैं – तुम झूठ बोल रहे हो,' हैरी ने कहने को कह तो दिया, लेकिन उसका मुँह सूख गया। वह जानता था कि डडली झूठ नहीं बोल रहा था – उसे सेडरिक के बारे में पता कैसे चल सकता था?

'"डैडी! मेरी मदद करो, डैडी! वह मुझे मारने वाला है, डैडी! बचाओ!"'

'चुप रहो,' हैरी ने धीरे से कहा। 'डडली, मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूँ, चुप हो जाओ!'

'"मेरी मदद करो, डैडी! मम्मी, मेरी मदद करो! उसने सेडरिक को मार डाला है! डैडी, मेरी मदद करो! वह मुझे भी –" *तुम उस चीज़ को मेरी तरफ़ मत तानो!'*

डडली गली की दीवार से सट गया। हैरी की छड़ी डडली के सीने की तरफ़ तनी हुई थी। हैरी के ख़ून में डडली के प्रति चौदह साल की नफ़रत उबलने लगी – इस वक़्त वह डडली पर प्रहार करना चाहता था, उस पर किसी मंत्र से वार करना चाहता था, ताकि वह कीड़े-मकोड़े की तरह रेंगता हुआ घर जाए, वह गूँगा हो जाए, उसके चेहरे पर मुँहासे उग आएँ ...

'इस बात का ज़िक्र दोबारा कभी मत करना,' हैरी गुर्राया। 'तुम मेरी बात समझ गए?'

'उस चीज़ को दूसरी तरफ़ करो!'

'मैंने पूछा, *तुम मेरी बात समझ गए?'*

'उस चीज़ को दूसरी तरफ़ करो!'

'तुम मेरी बात समझ गए?'

'उस चीज़ को दूसरी तरफ़ –'

डडली की साँस अजीब तरीक़े से टूट गई, जैसे किसी ने उस पर अचानक ठंडा पानी डाल दिया हो।

रात को कुछ हो गया था। सितारों से भरा नीला आसमान अचानक काला हो गया था – सितारे, चाँद और गली के दोनों सिरों के धुँधले स्ट्रीटलैंप अब ग़ायब हो गए थे। पेड़ों की सरसराहट और कारों की दूर से आती आवाज़ें भी अब सुनाई नहीं दे रही थीं। अचानक बहुत ठंडक हो गई थी। अब उनके चारों तरफ़ अँधेरा और सन्नाटा छा गया था, जैसे किसी भीमकाय हाथ ने पूरी गली पर मोटी, बर्फ़ीली चादर डालकर उन्हें अंधा कर दिया हो।

एक पल के लिए तो हैरी ने सोचा कि उसने अनजाने में ही जादू कर दिया था, हालाँकि वह ऐसा न करने के लिए पूरी शक्ति से संघर्ष कर रहा था। फिर उसके दिमाग़ में एक तर्कपूर्ण विचार आया, जिससे वह होश में आ गया – उसके पास सितारों को ग़ायब करने की शक्ति नहीं थी। उसने अपना सिर घुमाकर देखने की कोशिश की, लेकिन अँधेरा चारों तरफ़ किसी पर्दे की तरह क़ायम था।

हैरी को डडली की दहशत भरी आवाज़ सुनाई दी।

'तुम यह – यह क-क्या क-कर रहे हो? इसे बं-बंद करो!'

'मैं कुछ नहीं कर रहा हूँ! चुप रहो और हिलना मत!'

'मुझे कुछ नहीं – नहीं दिख रहा है! मैं अंधा – अंधा हो गया हूँ! मैं –'

'मैंने कहा, चुप रहो!'

हैरी ने उसी जगह खड़े-खड़े अपनी आँखें दाएँ-बाएँ घुमाईं। ठंड इतनी ज़्यादा थी कि वह ऊपर से नीचे तक काँपने लगा। उसके हाथों के रोएँ खड़े हो गए और उसकी गर्दन के पीछे के बाल भी। उसने अपनी आँखें फाड़-फाड़कर चारों तरफ़ देखा, लेकिन उसे कुछ नज़र नहीं आया।

यह असंभव था ... वे यहाँ नहीं आ सकते ... लिटिल व्हिंगिंग में तो नहीं ... उसने अपने कानों पर ज़ोर डाला ... दिखने से पहले उसे उनकी आवाज़ सुनाई दे जाएगी ...

'मैं डैडी को बताऊँगा!' डडली सुबकते हुए बोला। 'तुम कहाँ – कहाँ हो? तुम क-क्या कर रहे – रहे –?'

'ज़रा चुप तो रहो?' हैरी फुसफुसाकर बोला। 'मैं सुनने की कोशिश –'

लेकिन वह चुप हो गया। उसे वह चीज़ सुनाई दे गई थी, जिसका उसे डर था।

उनके अलावा भी उस गली में कोई था, जो लंबी, घरघराती, खड़खड़ाती साँस अंदर खींच रहा था। हैरी को दहशत का भयानक झटका लगा और वह ठंडी हवा में काँपने लगा।

'इसे बंद करो! इसे बंद करो! मैं तुम्हें मुक्का मार दूँगा! मैं सच कहता हूँ, मुक्का मार दूँगा!'

'डडली, चुप –'

धम्म।

हैरी के सिर पर एक मुक्का पड़ा और उसके पैर ज़मीन से उठ गए। उसकी आँखों के सामने तारे चमकने लगे। एक घंटे में दूसरी बार हैरी को ऐसा लगा, जैसे उसके सिर के दो टुकड़े हो गए हों। अगले ही पल वह धड़ाम से ज़मीन पर गिर गया और छड़ी उसके हाथ से छूट गई।

हैरी चिल्लाया, 'डडली! बेवकूफ़ कहीं के!' दर्द के कारण उसकी आँखों में आँसू आ गए, लेकिन वह अपने हाथ-पैर के बल चलते हुए अँधेरे में अपनी छड़ी ढूँढ़ने की कोशिश करने लगा। उसे डडली के चलने की आवाज़ आ रही थी, जो लड़खड़ाता हुआ गली में आगे जा रहा था।

'डडली, लौट आओ! तुम सीधे उसी की तरफ़ जा रहे हो!'

एक भयानक चीख़ सुनाई दी और डडली के क़दमों की आहट रुक गई। उसी पल हैरी को पीछे से भी तेज़ ठंडक का एहसास हुआ। इसका एक ही मतलब हो सकता था: वे एक से ज़्यादा हैं।

'डडली, अपना मुँह बंद रखना! तुम चाहे जो भी करो, अपना मुँह कसकर बंद रखना! छड़ी!' हैरी दहशत में बुदबुदाया और उसने अपने हाथ मकड़ियों की तरह ज़मीन पर घुमाए। 'छड़ी – कहाँ – है – *प्रकाशित भव!*'

मंत्र उसके मुँह से अपने आप निकल गया, क्योंकि वह छड़ी खोजने में रोशनी के लिए छटपटा रहा था। उसे यह देखकर राहत मिली कि उसके दाएँ हाथ से कुछ इंच दूर रोशनी हो गई – छड़ी की नोक पर रोशनी हो चुकी थी। हैरी ने लपककर छड़ी उठाई, खड़ा हुआ और पलटा।

उसके पेट में मरोड़ उठने लगी।

एक लंबी, नक़ाबपोश आकृति उसकी तरफ़ लहराती हुई चली आ रही थी। उसके पैर ज़मीन से ऊपर थे। उसके दुशालों के नीचे उसका चेहरा या पैर नहीं दिख रहे थे। पास आते समय वह आकृति ज़ोर-ज़ोर से साँस खींच रही थी।

पीछे की तरफ़ लड़खड़ाते हुए हैरी ने अपनी छड़ी उठाई।

'पितृदेव संरक्षणम्!'

उसकी छड़ी से सफ़ेद धुएँ की एक लहर निकली, जिससे दमपिशाच धीमा हो गया, लेकिन मंत्र ने पूरी तरह से काम नहीं किया था। दमपिशाच हैरी की तरफ़ बढ़ने लगा और हैरी लड़खड़ाते हुए पीछे हटा। उसके दिमाग़ में दहशत छा रही थी – *ध्यान केंद्रित करो* –

दमपिशाच के दुशाले के नीचे से भूरे, गंदे तथा पपड़ीदार हाथ निकलकर उसकी तरफ़ बढ़े। हैरी के कान सुन्न होने लगे।

'पितृदेव संरक्षणम्!'

उसे अपनी आवाज़ धीमी और दूर से आती लग रही थी। उसकी छड़ी से सफ़ेद धुएँ की एक और लहर निकली, जो पिछली से भी कमज़ोर थी – अब वह कुछ नहीं कर सकता था; वह उस मंत्र को ठीक से नहीं पढ़ पाया था।

उसे अपने दिमाग़ में तीखी हँसी सुनाई दे रही थी ... दमपिशाच की बर्फ़ीली साँस की बदबू उसके फेफड़ों में भर रही थी, उसे डुबा रही थी – *सोचो ... कोई ख़ुशी भरा विचार सोचो ...*

लेकिन उसके अंदर ख़ुशी का नामोनिशान तक नहीं था ... दमपिशाच की बर्फ़ीली उँगलियाँ उसके गले पर कसने लगीं – तीखी हँसी अब तेज़ होती जा रही थी और उसके दिमाग़ में एक आवाज़ गूँज रही थी : *'मौत के सामने सिर झुकाओ, हैरी ... हो सकता है इसमें दर्द न हो ... मुझे नहीं पता ... मैं कभी मरा ही नहीं हूँ ...'*

वह दोबारा रॉन और हर्माइनी को कभी नहीं देख पाएगा –

और जब वह साँस लेने के लिए छटपटाया, तो उसके दिमाग़ में उन दोनों के चेहरे स्पष्टता से उभर आए।

'पितृदेव संरक्षणम्!'

हैरी की छड़ी के सिरे से एक बड़ा सफ़ेद मृग निकला और उसने अपने सींगों से दमपिशाच को सीने से उठाकर पीछे फेंक दिया। दमपिशाच परास्त होकर चमगादड़ की तरह उड़कर दूर चला गया।

'इस तरफ़!' हैरी ने मृग से चिल्लाकर कहा। अपनी प्रकाशित छड़ी को ऊपर थामकर वह गली में आगे की तरफ़ भागा। **'डडली ? डडली!'**

मुश्किल से दस-बारह क़दम भागते ही वह उसके पास पहुँच गया : डडली ज़मीन पर पड़ा हुआ था और उसने दोनों हाथों से अपना मुँह कसकर ढँक रखा था। दूसरा दमपिशाच उस पर झुका हुआ था और अपने चिपचिपे हाथों से डडली की कलाइयों को जकड़े हुए था। वह धीरे-धीरे प्यार से डडली के हाथों को हटा रहा था और अपने नक़ाब वाले सिर को डडली के चेहरे की तरफ़ इस तरह झुका रहा था, जैसे उसे चूमने वाला हो।

हैरी गरजा, **'उस पर हमला करो!'** सफ़ेद मृग तेज़ी से झपटकर उस तरफ़ चल दिया। जब दमपिशाच का आँखविहीन चेहरा डडली के चेहरे से बस इंच भर दूर था, तभी मृग ने अपने सींगों से दमपिशाच पर हमला कर दिया और पहले वाले दमपिशाच की तरह उसे भी हवा में उछाल दिया। यह दमपिशाच भी उड़कर अँधेरे में ओझल हो गया। सफ़ेद मृग गली के सिरे तक पहुँचकर सफ़ेद धुंध में खो गया।

चाँद, सितारे और स्ट्रीटलैंप दोबारा नज़र आने लगे। गली में गर्म हवा फिर से बहने लगी। एक बार फिर पास वाले बगीचों में लगे पेड़ सरसराने लगे और मैग्नोलिया क्रेसेन्ट में चलने वाली कारों की धीमी आवाज़ें सुनाई देने लगीं। हैरी अब भी स्तब्ध खड़ा था। सामान्य स्थिति में लौटते समय उसकी सभी इंद्रियाँ फड़क रही थीं। एक पल बाद उसे यह महसूस हुआ कि उसकी टी-शर्ट उसके शरीर से चिपकी हुई थी। वह पसीने में नहा गया था।

अभी-अभी जो हुआ था, उसे उस पर यक़ीन नहीं हो रहा था। दमपिशाच *यहाँ* आए थे - लिटिल व्हिंगिंग में।

डडली सुबकता और काँपता हुआ ज़मीन पर लेटा रहा। हैरी झुककर देखने लगा कि क्या डडली उठकर खड़ा हो सकता है, लेकिन तभी उसे पीछे से भागते हुए क़दमों की आवाज़ आई। बिना सोचे-समझे उसने अपनी छड़ी दोबारा उठा ली और मुक़ाबला करने के लिए तैयार हो गया।

सामने से सिरफिरी बूढ़ी पड़ोसन मिसेज़ फ़िग हाँफती हुई आ रही थीं। उनके उलझे हुए सफ़ेद बाल उनके जूड़े से निकलकर बिखर गए थे। उनके हाथ में शॉपिंग बैग झूल रहा था और उनके पैर उनकी स्लिपर्स में से आधे बाहर निकल रहे थे। हैरी ने जल्दी से अपनी छड़ी छिपाने की कोशिश की, लेकिन -

'मूर्ख लड़के, उसे अंदर मत रखो!' वे चिल्लाईं। 'आस-पास और भी तो हो सकते हैं! ओह, मैं मंडंगस फ़्लेचर को जान से *मार* डालूँगी!'

अध्याय दो

बहुत सारे उल्लू

'क्या ?' हैरी ने सूनेपन से कहा।

'मंडंगस चला गया!' मिसेज़ फ़िग अपने हाथ मलते हुए बोलीं। 'वह किसी की झाड़ू के पीछे से गिरी कड़ाहियों का सौदा करने चला गया! मैंने उससे साफ़-साफ़ कह दिया था कि अगर वह गया, तो मैं उसे ज़िंदा नहीं छोड़ूँगी, लेकिन फिर भी उसने मेरी बात नहीं मानी! दमपिशाच! वह तो क़िस्मत अच्छी थी, जो मैं अपने बिल्ले मिस्टर टिबल्स को निगरानी के लिए छोड़ गई थी! लेकिन अब हमें यहाँ ज़्यादा देर नहीं रुकना चाहिए! जल्दी करो, तुम्हें जल्दी से जल्दी घर पहुँचना चाहिए! ओह, इससे मुसीबतों का पहाड़ खड़ा हो जाएगा! मैं उसे *मार* डालूँगी!'

गली में दमपिशाचों को देखकर हैरी को जितना सदमा लगा था, उतना ही सदमा उसे यह जानकर लगा कि बिल्लियों के पीछे दीवानी यह पगली सी पड़ोसन दमपिशाचों के बारे में जानती थी। 'तो क्या आप – *जादूगरनी* हैं ?'

'मैं नाकारा हूँ और मंडंगस यह बात बहुत अच्छी तरह से जानता है। इसलिए दमपिशाचों से लड़ने में मैं तुम्हारी मदद कैसे कर सकती थी ? लेकिन मेरी *चेतावनी* के बाद भी वह तुम्हारी निगरानी का काम छोड़कर चला गया –'

'अच्छा तो मंडंगस मेरी निगरानी कर रहा था ? अच्छा – तो यह *उसी* की आवाज़ रही होगी! वही मेरे मकान के सामने से अदृश्य हुआ होगा!'

'हाँ, हाँ, *हाँ*, लेकिन क़िस्मत से मैं एहतियात के तौर पर मिस्टर टिबल्स को कार के नीचे छोड़ गई थी। मिस्टर टिबल्स ने आकर मुझे मंडंगस के जाने की चेतावनी दे दी, लेकिन जब तक मैं तुम्हारे मकान के सामने पहुँची, तुम वहाँ से निकल चुके थे – और अब – ओह, डम्बलडोर *क्या कहेंगे ?* तुम!' वे डडली की तरफ़ देखकर चिल्लाईं, जो अब भी ज़मीन पर पड़ा हुआ था। 'अपने थुलथुल

शरीर को उठाओ, जल्दी!'

हैरी ने उन्हें घूरते हुए पूछा, 'आप डम्बलडोर को जानती हैं?'

'ज़ाहिर है, मैं डम्बलडोर को जानती हूँ। डम्बलडोर को कौन नहीं जानता? लेकिन *सुनो* – अगर दमपिशाच वापस आ गए, तो मैं तुम्हारी ज़रा भी मदद नहीं कर पाऊँगी। मैं तो जादू से टीबैग का भी रूपांतरण नहीं कर सकती।'

वे नीचे झुकीं और अपने झुर्रीदार हाथों से डडली की एक विशाल बाँह पकड़कर खींचने लगीं।

'*उठो*, मुर्दा पहाड़, *उठो*!'

लेकिन डडली या तो उठ नहीं सकता था या फिर उठना नहीं चाहता था। उसका चेहरा पीला पड़ चुका था और वह ज़मीन पर ही पड़ा-पड़ा काँपता रहा। उसने अपना मुँह कसकर बंद कर रखा था।

'मैं उसे उठाता हूँ।' हैरी ने डडली का हाथ पकड़कर खींचा। बहुत कोशिश के बाद वह उसे खड़ा कर पाया। डडली बेहोश होने की कगार पर था। उसकी छोटी-छोटी पुतलियाँ कोटरों में गोल-गोल घूम रही थीं और उसके चेहरे पर पसीने की बूँदें छलछला रही थीं। जैसे ही हैरी ने उसे छोड़ा, वह ख़तरनाक अंदाज़ में लहराया।

मिसेज़ फ़िग दहशत में बोलीं, 'जल्दी करो!'

हैरी ने डडली की एक भारी-भरकम बाँह अपने कंधे पर रखी और उसे सड़क की तरफ़ खींचने लगा। वह उसके बोझ तले दबा जा रहा था। मिसेज़ फ़िग उनके आगे-आगे चल रही थीं और चिंता भरी नज़रों से आगे वाले मोड़ की तरफ़ देख रही थीं।

जब वे लोग विस्टीरिया वॉक में दाख़िल हुए, तो मिसेज़ फ़िग हैरी से बोलीं, 'अपनी छड़ी बाहर ही रखना। अब गोपनीयता क़ानून की परवाह मत करो। वैसे भी बहुत मुसीबत खड़ी होनी है। हमें ड्रैगन के लिए भी उतनी ही बड़ी सज़ा मिलेगी, जितनी कि अंडे के लिए। नाबालिग़ जादूगरी तार्किक प्रतिबंध अधिनियम के बारे में सोचने से कोई फ़ायदा नहीं है ... डम्बलडोर को *इसी* बात का डर था – सड़क के छोर पर कौन है? ओह, ये तो मिस्टर प्रेंटिस हैं ... अपनी छड़ी अंदर मत रखो लड़के, मैंने तुमसे कहा ना, मैं किसी काम की नहीं हूँ!'

एक साथ छड़ी को पकड़ना और डडली का वज़न सहन करना आसान काम नहीं था। हैरी ने अपने कज़िन की पसलियों में कोहनी चुभाई, लेकिन लगता था कि डडली की अपने आप चलने की ज़रा भी इच्छा नहीं थी। वह तो बस हैरी के कंधे पर टिका हुआ था और उसके बड़े पैर ज़मीन पर घिसट रहे थे।

हैरी ने चलने की कोशिश में हाँफते हुए पूछा, 'मिसेज़ फ़िग, आप नाकारा हैं, यह बात आपने मुझे पहले क्यों नहीं बताई? मैं आपके घर इतनी बार आया था, आपने तब इस बारे में कुछ क्यों नहीं बताया?'

'डम्बलडोर का आदेश था। मुझे तुम पर नज़र रखनी थी, लेकिन कुछ बताना नहीं था। तुम बहुत छोटे थे। हैरी, मुझे अफ़सोस है कि तुम जब मेरे घर आते थे, तो मैं तुम्हें परेशान करती थी, लेकिन डर्स्ली दंपति को अगर यह पता चल जाता कि तुम्हें मेरे यहाँ अच्छा लगता है, तो वे तुम्हें कभी मेरे घर नहीं आने देते। तुम्हें पता है, यह आसान नहीं था ... लेकिन ओह,' उन्होंने दुखी होकर एक बार फिर हाथ मलते हुए कहा, 'जब डम्बलडोर को पता चलेगा, तो क्या होगा - मंडंगस को आधी रात तक पहरा देना था, फिर वह बीच में कैसे चला गया - *वह है कहाँ*? मैं डम्बलडोर को इस घटना की जानकारी कैसे दूँ? मैं तो अंतर्ध्यान भी नहीं हो सकती।'

'मेरे पास उल्लू है। आप उसका इस्तेमाल कर सकती हैं,' हैरी ने कराहते हुए कहा और यह सोचने लगा कि कहीं डडली के वज़न से उसकी रीढ़ की हड्डी तो नहीं टूट जाएगी।

'हैरी, तुम समझते नहीं हो! डम्बलडोर को बहुत फ़ुर्ती से काम करना पड़ेगा। मंत्रालय वालों को नाबालिग़ जादूगरी का पता लग जाता है। तुम अच्छी तरह से गाँठ बाँध लो, उन्हें अब तक इसका पता चल चुका होगा।'

'लेकिन मैं तो दमपिशाचों से बच रहा था। मैंने जादू का इस्तेमाल मजबूरी में किया था, क्योंकि और कोई रास्ता नहीं था। उन्हें तो इस बात की ज़्यादा चिंता होनी चाहिए कि दमपिशाच विस्टीरिया वॉक में क्यों मँडरा रहे थे?'

'ओह मेरे बच्चे, काश ऐसा होता, लेकिन मुझे डर है - **मंडंगस फ़्लेचर, मैं तुम्हें जान से मार डालूँगी!**'

एक तेज़ *कड़ाक* की आवाज़ हुई और शराब तथा तंबाकू की मिली-जुली बदबू हवा में भर गई। उसी समय फटा ओवरकोट पहने एक गोल-मटोल, दढ़ियल आदमी उनके सामने प्रकट हो गया। उसकी छोटी टाँगें धनुष जैसी थीं। उसके लंबे बाल नारंगी-भूरे थे और उसकी लाल-लाल आँखें फूली हुई थीं, जिससे वह बैसेट हाउंड जितना दुखी दिख रहा था। उसके हाथ में एक सफ़ेद चीज़ भी थी, जिसे देखते ही हैरी फ़ौरन पहचान गया कि यह अदृश्य चोगा है।

मंडंगस ने मिसेज़ फ़िग, हैरी और डडली को हैरानी से घूरते हुए कहा, 'क्या हुआ, फ़िग? तुम्हें तो छिपे रहना था?'

'मैं तुम्हें *छिपाती* हूँ!' मिसेज़ फ़िग चिल्लाईं। '*दमपिशाच* यहाँ आए थे,

घटिया, भगोड़े, बदमाश चोर!'

'दमपिशाच ?' मंडंगस ने हैरानी से दोहराया। 'दमपिशाच, यहाँ ?'

'हाँ यहाँ, उल्लू की औलाद, यहाँ!' मिसेज़ फ़िग चीख़ीं। 'जिस लड़के की तुम्हें निगरानी करनी थी, दमपिशाच उसी पर हमला करने आए थे।'

'ओह,' मंडंगस ने धीरे से कहा। वह कभी मिसेज़ फ़िग को, तो कभी हैरी को देखता रहा और फिर बोला, 'ओह, मैं –'

'और तुम चोरी की कड़ाहियाँ ख़रीदने चले गए थे! मैंने तुमसे कहा था ना कि वहाँ मत जाना ? *मैंने तुमसे कहा था ना ?*'

'मैं, मैं –' मंडंगस बहुत परेशान दिखने लगा। 'यह – यह पैसे कमाने का बहुत अच्छा मौक़ा था –'

मिसेज़ फ़िग ने अपना हाथ उठाया। उनके हाथ का बैग मंडंगस के चेहरे और गले पर ज़ोर से पड़ा। आवाज़ से ऐसा लगा कि उसमें बिल्लियों के खाने के सामान के डिब्बे भरे हुए थे।

'आउच – पागल बुढ़िया, दूर हटो – दूर हटो! किसी को डम्बलडोर को ख़बर करनी होगी!'

'हाँ – करनी – होगी!' मिसेज़ फ़िग चिल्लाईं। उन्होंने अपने बैग को दोबारा लहराते हुए मंडंगस को मारने की कोशिश की। 'और – बेहतर – होगा – कि – यह – ख़बर – तुम – दो – और – उन्हें – बताओ – कि – तुम – वहाँ – पर – मदद – करने – के – लिए – क्यों – नहीं – थे!'

'इतना मत भड़को!' मंडंगस बोला और अपने सिर पर हाथ रखकर उसे बचाता रहा। 'मैं जा रहा हूँ। मैं जा रहा हूँ!'

फिर एक तेज़ *कड़ाक* की आवाज़ के साथ वह अंतर्ध्यान हो गया।

'मुझे उम्मीद है कि डम्बलडोर उसका *ख़ून* कर देंगे!' मिसेज़ फ़िग ने ग़ुस्से में कहा। 'अब *चलो* हैरी, तुम किसका इंतज़ार कर रहे हो ?'

हैरी ने फ़ैसला किया कि वह मिसेज़ फ़िग को यह बताने में अपनी बची-खुची साँस बर्बाद नहीं करेगा कि डडली के भारी-भरकम वज़न को उठाकर चलना बड़ा मुश्किल काम था। उसने आधे बेहोश डडली को झटका दिया और लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा।

जब वे प्रिविट ड्राइव में दाख़िल हुए, तो मिसेज़ फ़िग बोलीं, 'मैं तुम्हें घर के दरवाज़े तक ले चलती हूँ। कहीं आस-पास और दमपिशाच न हों ... ओह, कितना बुरा हुआ ... और तुम्हें उनसे ख़ुद लड़ना पड़ा ... जबकि डम्बलडोर ने

कहा था कि तुम्हें किसी भी क़ीमत पर जादू करने से रोकना था ... लेकिन अब क्या हो सकता है, फटे जादुई काढ़े पर रोने से क्या फ़ायदा ... अब तो बिल्ली जाल में फँस ही चुकी है!'

हैरी ने हाँफते हुए पूछा, 'तो डम्बलडोर ... मेरी ... निगरानी करवा रहे थे?'

मिसेज़ फ़िग अधीरता से बोलीं, 'और क्या? तुम्हें क्या लगता था कि जून की घटना के बाद वे तुम्हें तुम्हारे हाल पर छोड़ देंगे? हे भगवान, लोग तुम्हें समझदार मानते हैं, लेकिन तुम इतना भी नहीं समझ पाए ...।' चार नंबर के मकान के सामने पहुँचकर उन्होंने आगे कहा, 'अच्छा तो ... अब अंदर जाओ और वहीं रहना। मुझे उम्मीद है कि कोई न कोई जल्दी ही तुमसे संपर्क करेगा।'

हैरी ने जल्दी से पूछा, 'आप लोग अब क्या करेंगे?'

मिसेज़ फ़िग ने काँपते हुए अँधेरी सड़क की तरफ़ देखा और बोलीं, 'मैं तो सीधे घर जा रही हूँ। मैं अगले आदेश का इंतज़ार करूँगी। अच्छा तो अब घर के अंदर ही रहना। गुड नाइट।'

'ज़रा ठहरिए, अभी मत जाइए! मुझे आपसे बहुत सी बातें पूछनी हैं-'

लेकिन मिसेज़ फ़िग उसका वाक्य ख़त्म होने के पहले ही जा चुकी थीं। उनकी स्लिपर्स ठक-ठक की आवाज़ कर रही थीं और उनके बैग से डिब्बों के टकराने की आवाज़ आ रही थी।

'ठहरिए!' हैरी पीछे से चिल्लाया। डम्बलडोर के संपर्क में रहने वाले किसी भी व्यक्ति से उसे लाखों सवाल पूछने थे, लेकिन कुछ ही पल में मिसेज़ फ़िग अँधेरे में खो गईं। त्योरियाँ चढ़ाकर हैरी ने अपने कंधे पर डडली को सँभाला और चार नंबर के मकान के बगीचे के रास्ते पर मुश्किल से, धीरे-धीरे चलने लगा।

हॉल की लाइट जल रही थी। हैरी ने अपनी छड़ी जीन्स में पीछे की तरफ़ खोंसकर घंटी बजाई। सामने वाले दरवाज़े के लेंस में से उसे पेटूनिया आंटी की अजीब सी विकृत छवि धीरे-धीरे बड़ी होती दिखी।

'डिडी! आज बहुत देर लगा दी। मैं तो चिंता करने- *डिडी, मेरे बच्चे, क्या हुआ?'*

हैरी ने डडली को कनखियों से देखा और समय रहते उसके हाथ के नीचे से झुककर निकल गया। डडली एक पल के लिए उसी जगह पर लहराया। उसका चेहरा हरा पड़ गया था ... फिर उसने अपना मुँह खोला और डोरमैट पर उल्टी कर दी।

'**डिडी!** डिडी, मेरे बच्चे, तुम्हें क्या हुआ? वरनॉन? **वरनॉन!**'

हैरी के अंकल लपकते हुए लिविंग रूम से बाहर निकले। जब भी वे परेशान होते थे, तो उनकी मोटी मूँछ इधर-उधर लहराने लगती थी और इस समय भी ऐसा ही हो रहा था। वे भागकर पेटूनिया आंटी की मदद करने पहुँच गए, जो उल्टी के ढेर से बचती हुई डडली को अंदर लाने की कोशिश कर रही थीं।

'वरनॉन, डडली बीमार है!'

'क्या हुआ, बेटे? क्या हुआ? क्या मिसेज़ पोलकिस ने नाश्ते में तुम्हें कोई गड़बड़ चीज़ खिला दी?'

'तुम्हारे कपड़ों पर इतनी धूल क्यों है, बेटा? क्या तुम ज़मीन पर गिर गए थे?'

'ज़रा ठहरो - बेटे, तुम्हें किसी ने पीटा तो नहीं?'

पेटूनिया आंटी की चीख़ निकल गई।

'पुलिस को फ़ोन करो, वरनॉन! पुलिस को फ़ोन करो! डिडी बेटा, मम्मी को बताओ! किसने तुम्हारे साथ क्या किया?'

इस हंगामे में किसी का भी ध्यान हैरी की तरफ़ नहीं गया। इस बात से वह काफ़ी ख़ुश था। वरनॉन अंकल के धड़ाम से दरवाज़ा बंद करने से पहले वह अंदर घुसने में कामयाब हो गया था। जब डर्स्ली दंपति हॉल से होते हुए किचन की तरफ़ जाने लगे, तो हैरी चुपचाप सीढ़ियों की तरफ़ बढ़ने लगा।

'यह किसने किया, बेटा? हमें उसका नाम बताओ। चिंता मत करो, हम उसकी अच्छी ख़बर लेंगे।'

'श्श्श! वरनॉन, वह कुछ कहने की कोशिश कर रहा है! वह कौन था, डिडी? मम्मी को बताओ!'

जब हैरी का पैर पहली सीढ़ी पर था, तभी डडली के मुँह से आवाज़ निकली।

'वह।'

हैरी का पैर सीढ़ी पर ही जम गया। उसने अपना चेहरा सिकोड़ लिया और विस्फोट के लिए तैयार हो गया।

'लड़के! यहाँ आओ!'

दहशत और ग़ुस्से के भाव लिए हैरी ने अपना पैर धीरे से सीढ़ी से हटाया और डर्स्ली दंपति के पीछे-पीछे चलने लगा।

बाहर के अँधेरे के बाद पेटूनिया आंटी के साफ़ किचन की चमक अजीब लग रही थी। पेटूनिया आंटी डडली को एक कुर्सी पर बैठा रही थीं। वह अब भी बहुत हरा और चिपचिपा दिख रहा था। वरनॉन अंकल सिंक के सामने खड़े होकर अपनी छोटी-छोटी, सिकुड़ी हुई आँखों से हैरी को घूर रहे थे।

उन्होंने गुर्राकर पूछा, 'तुमने मेरे बेटे के साथ क्या किया?'

'कुछ नहीं,' हैरी ने कहा, हालाँकि वह अच्छी तरह जानता था कि वरनॉन अंकल उसकी बात पर यक़ीन नहीं करेंगे।

'उसने तुम्हारे साथ क्या किया, डिडी?' पेटूनिया आंटी ने काँपती हुई आवाज़ में पूछा, जो अब डडली की लेदर जैकेट के सामने लगी उल्टी साफ़ कर रही थीं। 'बेटा, क्या उसने – वह काम किया था? क्या उसने उस चीज़ का इस्तेमाल किया था?'

काँपते हुए डडली ने धीरे से हाँ में सिर हिला दिया।

पेटूनिया आंटी दहाड़ मारकर रोने लगीं और वरनॉन अंकल ने मुक्का तान लिया। हैरी तीखी आवाज़ में बोला, 'मैंने नहीं किया! मैंने उसके साथ कुछ नहीं किया, यह काम मैंने नहीं किया, यह काम तो –'

लेकिन ठीक उसी समय किचन की खिड़की से एक उल्लू अंदर आ गया और वरनॉन अंकल के सिर से टकराते-टकराते बचा। वह किचन में उड़ने लगा और उसने अपनी चोंच में दबा लिफ़ाफ़ा हैरी के पैर पर टपका दिया। इसके बाद वह उल्लू शान से मुड़ा और अपने पंखों से फ़्रिज के ऊपरी हिस्से को छूते हुए बाहर उड़कर बगीचे के पार निकल गया।

'उल्लू!' वरनॉन अंकल दहाड़े। उनकी कनपटी की नस ग़ुस्से से फड़क रही थी। उन्होंने किचन की खिड़की धड़ाम से बंद कर दी। **'एक बार फिर उल्लू! मैं अपने घर में उल्लुओं को नहीं घुसने दूँगा!'**

लेकिन हैरी तो उस वक़्त लिफ़ाफ़े को खोलकर अंदर की चिट्ठी निकाल रहा था। उसका दिल अब उसके गले में धड़कने लगा था।

प्रिय मिस्टर पॉटर,

हमें सूचना मिली है कि आपने आज रात को नौ बजकर तेईस मिनट पर मगलू इलाक़े में एक मगलू की मौजूदगी में पितृदेव सम्मोहन का प्रयोग किया है।

नाबालिग़ जादूगरी तार्किक प्रतिबंध अधिनियम की

इस अवहेलना के कारण आपको हॉगवर्ट्स जादूगरी और तंत्र विद्यालय से निष्कासित किया जाता है। मंत्रालय के प्रतिनिधि आपकी छड़ी तोड़ने के लिए आपके निवास पर जल्द ही पहुँचेंगे।

चूँकि आपको पहले भी अंतर्राष्ट्रीय जादूगर महासंघ के गोपनीयता क़ानून के अनुच्छेद 13 के अंतर्गत एक आधिकारिक चेतावनी दी जा चुकी है, इसलिए हमें आपको सूचित करते हुए अफ़सोस हो रहा है कि आपको 12 अगस्त को सुबह 9 बजे जादू मंत्रालय में अनुशासनात्मक सुनवाई के लिए उपस्थित होना पड़ेगा।

आशा है कि आप ठीक होंगे,

आपकी
माफ़ाल्डा हॉपकर्क
अनुचित जादू प्रयोग कार्यालय
जादू मंत्रालय

हैरी ने चिट्ठी दो बार पढ़ी। वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी की बातें उसे अस्पष्टता से सुनाई दे रही थीं। उसका दिमाग़ सुन्न हो गया था। उसकी चेतना में एक बात ज़हर बुझे तीर की तरह धँस चुकी थी। उसे हॉगवर्ट्स से निकाल दिया गया था। अब सब कुछ ख़त्म हो चुका था। अब वह कभी वहाँ लौटकर नहीं जा पाएगा।

उसने डर्स्ली परिवार की तरफ़ देखा। वरनॉन अंकल का बैंगनी चेहरा चिल्ला रहा था और उनके हाथ अब भी मुक्कों में तने हुए थे। पेटूनिया आंटी डडली के कंधे पर हाथ रखे हुए थीं। डडली एक बार फिर उल्टी करने लगा था।

हैरी का सुन्न दिमाग़ दोबारा जागने लगा। *मंत्रालय के प्रतिनिधि आपकी छड़ी तोड़ने के लिए आपके निवास पर जल्द ही पहुँचेंगे।* अब बस एक ही रास्ता बचा था। उसे भागना होगा – अभी। हैरी यह बात नहीं जानता था कि वह कहाँ जाएगा। उसे तो बस एक ही बात मालूम थी। वह हॉगवर्ट्स में रहे या कहीं और, उसे अपनी छड़ी की ज़रूरत थी। सदमे की हालत में उसने अपनी छड़ी निकाली और किचन से बाहर निकलने के लिए मुड़ा।

पीछे से वरनॉन अंकल चिल्लाए, 'कहाँ चल दिए?' जब हैरी ने कोई

जवाब नहीं दिया, तो वे तेज़ी से चलकर हॉल की तरफ़ जाने वाले दरवाज़े के सामने खड़े हो गए। 'अभी मेरी पूछताछ पूरी नहीं हुई है, लड़के!'

हैरी धीरे से बोला, 'मेरे रास्ते से हट जाइए।'

'तुम यहीं ठहरो। पहले मेरे इस सवाल का जवाब दो कि मेरे बेटे की यह हालत –'

हैरी ने अपनी छड़ी उठाकर कहा, 'अगर आप मेरे रास्ते से नहीं हटे, तो मैं आप पर जादू कर दूँगा।'

वरनॉन अंकल गुर्राकर बोले, 'तुम अब इस बात से मुझे बेवकूफ़ नहीं बना सकते! मैं जानता हूँ कि तुम्हें उस पागलख़ाने जैसे स्कूल के बाहर इसका इस्तेमाल करने की इजाज़त नहीं है!'

हैरी ने कहा, 'मुझे उस पागलख़ाने से निकाल दिया गया है। इसलिए अब मैं जो चाहूँ, कर सकता हूँ। आपके पास तीन सेकंड हैं। एक – दो –'

तभी किचन में एक **तेज़ आवाज़** गूँजी। पेटूनिया आंटी चीख़ीं। वरनॉन अंकल चिल्लाए और झुके, लेकिन उस रात को तीसरी बार हैरी उस आवाज़ के स्रोत की तलाश करने लगा, जो उसके कारण नहीं हुई थी। उसे यह तत्काल दिख गया : एक परेशान सा करैल उल्लू बाहर किचन की खिड़की की चौखट पर बैठा हुआ था और बंद खिड़की से उसके टकराने के कारण ही वह आवाज़ हुई थी।

वरनॉन अंकल कराहते हुए बोले, **'उल्लू!'** लेकिन उनकी बात को नज़रअंदाज़ करते हुए हैरी ने भागकर खिड़की खोल दी। उल्लू ने अपना पैर अंदर डाला, जिस पर एक छोटा सा चर्मपत्र बँधा हुआ था। जैसे ही हैरी ने चिट्ठी निकाली, उसी पल उल्लू पंख फड़फड़ाकर तेज़ी से उड़ गया। काँपते हाथों से हैरी ने चिट्ठी खोली, जो जल्दबाज़ी में काली स्याही से लिखी गई थी।

हैरी–

डम्बलडोर अभी-अभी मंत्रालय पहुँचे हैं और मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। अपने अंकल-आंटी का घर मत छोड़ना। अब बिलकुल जादू मत करना। अपनी छड़ी उनके हवाले मत करना।

आर्थर वीज़्ली

डम्बलडोर मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं ... इस बात का क्या मतलब है? डम्बलडोर में जादू मंत्रालय के फ़ैसलों को पलटने की कितनी शक्ति है? क्या इस बात की संभावना है कि उसे फिर हॉगवर्ट्स लौटने की इजाज़त मिल जाए? हैरी के सीने में आशा का एक छोटा सा अंकुर फूटा, लेकिन तत्काल ही दहशत ने उसका गला दबा दिया – वह जादू का इस्तेमाल किए बिना अपनी छड़ी उनके हवाले करने से कैसे बच सकता है? उसे मंत्रालय के प्रतिनिधियों का मुक़ाबला करना होगा, लेकिन अगर उसने ऐसा किया, तो स्कूल से निकलने की बात तो रहने ही दें, उसे अज़्काबान भी भेजा जा सकता है।

उसका दिमाग़ सरपट भाग रहा था ... वह कहीं छिप जाए और मंत्रालय की पकड़ से बच जाए, या फिर यहीं पर रुका रहे और उनके द्वारा पकड़े जाने का इंतज़ार करे। उसकी इच्छा हो रही थी कि वह पहले वाला क़दम उठाए, लेकिन वह जानता था कि मिस्टर वीज़्ली उसका भला चाहते हैं ... आख़िर डम्बलडोर ने इससे भी बड़ी समस्याएँ सुलझाई हैं।

'ठीक है,' हैरी ने कहा। 'मैंने अपना इरादा बदल लिया है। मैं अब यहीं रुक रहा हूँ।'

वह झटके से किचन की टेबल पर डडली तथा पेटूनिया आंटी के सामने पहुँच गया। उसके अचानक इरादा बदलने से डर्स्ली दंपति हैरान थे। पेटूनिया आंटी ने वरनॉन अंकल की तरफ़ निराशा से देखा। उनकी बैंगनी कनपटी की नस अब पहले से ज़्यादा फड़कने लगी थी।

उन्होंने गुर्राकर पूछा, 'ये उल्लू कहाँ से आए थे?'

'पहला उल्लू जादू मंत्रालय से आया था, जिसने मुझे हॉगवर्ट्स स्कूल से निकाल दिया था,' हैरी ने शांति से कहा। वह अपने कान चौकन्ने रखकर बाहर की आवाज़ें भी सुन रहा था कि कहीं मंत्रालय के प्रतिनिधि तो नहीं आ रहे हैं। वरनॉन अंकल के गरजने और बरसने की आवाज़ों के बजाय उनके सवालों के जवाब देना ज़्यादा आसान था और यह काम ज़्यादा शांति से हो सकता था। 'दूसरा उल्लू मेरे दोस्त रॉन के डैडी ने भेजा था, जो जादू मंत्रालय में काम करते हैं।'

'जादू मंत्रालय?' वरनॉन अंकल गरजे। 'तुम जैसे लोग *सरकार* में भी हैं? ओह, अब सब समझ में आ गया। कोई हैरानी की बात नहीं कि यह देश रसातल में जा रहा है।'

जब हैरी ने कोई जवाब नहीं दिया, तो वरनॉन अंकल उसकी तरफ़ ग़ुस्से से घूरते हुए बोले, 'तुम्हें स्कूल से क्यों निकाला गया?'

'क्योंकि मैंने जादू किया था।'

'**आहा!**' वरनॉन अंकल गुर्राए और उन्होंने फ़्रिज के ऊपर मुक्का मारा, जिससे वह खुल गया और डडली के लो-फ़ैट नाश्ते के पैकेट भड़ाभड़ फ़र्श पर गिर गए। 'तो तुम यह बात मानते हो! *तुमने डडली के साथ क्या किया था?*'

'कुछ नहीं,' हैरी ने थोड़ा उत्तेजित होकर कहा। 'वह मैंने नहीं किया था -'

'इसी ने किया था,' डडली अप्रत्याशित रूप से बुदबुदाया। वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी ने हैरी को चुप रहने का इशारा किया तथा डडली की बात सुनने के लिए नीचे झुक गए।

वरनॉन अंकल बोले, 'बताओ बेटा, इसने क्या किया था?'

पेटूनिया आंटी फुसफुसाईं, 'राजा बेटे, हमें कुछ तो बताओ।'

डडली बुदबुदाया, 'इसने मुझ पर छड़ी तानी थी।'

'हाँ, मैंने छड़ी तानी थी, लेकिन मैंने उसका इस्तेमाल नहीं किया था -' हैरी ने ग़ुस्से में कहना शुरू किया, लेकिन -

'चुप रहो!' वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी एक साथ दहाड़े।

'आगे बताओ बेटे,' वरनॉन अंकल ने कहा और अपनी मूँछों पर तेज़ी से फूँक मारी।

'घुप्प अँधेरा छा गया,' डडली ने काँपते हुए कहा। 'हर चीज़ अँधेरे में डूब गई। और फिर मुझे ... कुछ *आवाज़ें* सुनाई दीं। मेरे दिमाग़ के भीतर।'

वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी ने दहशत से एक-दूसरे को देखा। दुनिया में उन्हें जादू से सबसे ज़्यादा नफ़रत थी - इसके बाद उन पड़ोसियों का नंबर आता था, जो होज़पाइप पर लगी पाबंदी में उनसे ज़्यादा धोखा देते थे - लेकिन काल्पनिक आवाज़ें सुनने वाले लोग भी इस सूची में निश्चित रूप से काफ़ी ऊपर आते थे। उन्हें लगा कि डडली का मानसिक संतुलन गड़बड़ा गया था, जो पागलपन की पहली निशानी थी।

पेटूनिया आंटी का चेहरा सफ़ेद पड़ गया और उन्होंने आँखों में आँसू भरकर पूछा, 'लाड़ले, तुम्हें क्या सुनाई दिया?'

लेकिन डडली कुछ बोल नहीं पा रहा था। दोबारा काँपते हुए उसने अपना सुनहरे बालों वाला बड़ा सा सिर हिला दिया। पहले उल्लू के आने के बाद से हैरी दहशत में था, लेकिन इसके बावजूद उसकी जिज्ञासा जाग गई। दमपिशाचों के सामने ज़िंदगी के सबसे बुरे पल याद आते हैं। बिगड़े, लाड़-प्यार में पले और गुंडागर्दी करने वाले डडली को आख़िर क्या याद आया होगा?

'तुम गिर कैसे गए, बेटा?' वरनॉन अंकल ने परेशान और धीमी आवाज़ में पूछा। यह आवाज़ वैसी ही थी, जैसे वे किसी बहुत बीमार व्यक्ति के पलंग के पास हों।

'मैं उलझकर गिर गया था,' डडली ने काँपते हुए कहा। 'और फिर –'

उसने अपने विशाल सीने की तरफ़ इशारा किया। हैरी समझ गया। डडली को ज़रूर फेफड़ों में ठंड का जकड़न भरा एहसास याद आ रहा होगा, जब दमपिशाच आशा और ख़ुशी चूस रहे थे।

'भयानक,' डडली ने टूटी आवाज़ में कहा। 'ठंड। बहुत ठंड।'

'**अच्छा**,' वरनॉन अंकल ने संयत होकर कहा, जबकि पेटूनिया आंटी ने चिंता से डडली का माथा छूकर देखा कि उसे बुखार तो नहीं है। 'फिर क्या हुआ, डडर्स?'

'ऐसा लगा ... ऐसा लगा ... ऐसा लगा ... जैसे ... जैसे ...'

'जैसे तुम दोबारा कभी ख़ुश नहीं हो पाओगे,' हैरी ने उसकी बात को पूरा कर दिया।

'हाँ,' डडली फुसफुसाया और काँपने लगा।

'अच्छा!' वरनॉन अंकल बोले। वे तनकर खड़े हो चुके थे और उनकी आवाज़ भी पूरी ऊँचाई पर पहुँच गई थी। 'तुमने मेरे बेटे पर कोई चकराने वाला जादू कर दिया, ताकि वह आवाज़ें सुने और यह सोचे कि वह हमेशा दुखी रहेगा, है ना?'

'मुझे आपको कितनी बार बताना पड़ेगा?' हैरी ने कहा, जिसका ग़ुस्सा और आवाज़ दोनों ही सातवें आसमान पर पहुँच गए थे। *'यह मैंने नहीं किया!* यह तो दो दमपिशाचों ने किया था!'

'दो – यह क्या बकवास नाम है?'

'दम – पिशाच,' हैरी ने धीरे-धीरे स्पष्टता से कहा। 'वे दो थे।'

'और ये कमबख़्त दमपिशाच कौन हैं?'

'वे जादूगरों की जेल अज़्काबान के पहरेदार हैं,' अचानक पेटूनिया आंटी बोल पड़ीं।

इन शब्दों के बाद दो पल तक आश्चर्यजनक ख़ामोशी छाई रही। फिर पेटूनिया आंटी ने अपने मुँह पर इस तरह हाथ रख लिया, जैसे उन्होंने कोई गंदी बात बोल दी हो। वरनॉन अंकल उन्हें आँखें फाड़-फाड़कर देख रहे थे। हैरी का दिमाग़ चकरा रहा था। मिसेज़ फ़िग तो ठीक हैं – लेकिन *पेटूनिया आंटी?*

हैरी ने हैरानी से उनसे पूछा, 'आप यह कैसे जानती हैं?'

पेटूनिया आंटी ख़ुद हैरान थीं। उन्होंने डरकर माफ़ी माँगने के अंदाज़ में वरनॉन अंकल की तरफ़ देखा, फिर अपना सिर थोड़ा झुकाकर घोड़ी जैसे दाँत दिखाने लगीं।

वे अटकते-अटकते बोलीं, 'मैंने उस भयानक लड़के और मेरी बहन की बातें सुनी थीं - बरसों पहले।'

'अगर आप मेरे मम्मी-डैडी के बारे में बोल रही हैं, तो आप उनका नाम क्यों नहीं लेती हैं?' हैरी ने ज़ोर से कहा, लेकिन पेटूनिया आंटी ने उसकी बात अनसुनी कर दी। वे बहुत परेशान दिख रही थीं।

हैरी स्तब्ध रह गया। बरसों पहले एक बार ग़ुस्से में पेटूनिया आंटी ने चिल्लाकर कहा था कि हैरी की माँ जादूगरनी थीं, लेकिन इसके अलावा उन्होंने उसके सामने कभी अपनी बहन का ज़िक्र नहीं किया था। वह हैरान था कि इतने अरसे बाद भी उन्हें जादुई दुनिया के बारे में यह बात याद थी, वरना आम तौर पर तो वे अपनी पूरी शक्ति से यह नाटक करती थीं कि जादुई दुनिया का अस्तित्व ही नहीं है।

वरनॉन अंकल ने अपना मुँह खोला, फिर बंद कर लिया। उन्होंने उसे दोबारा खोला और एक बार फिर बंद कर लिया। फिर उन्होंने बोलने की कोशिश में तीसरी बार मुँह खोला और अटकते हुए बोले, 'तो - तो - वे - वे सचमुच होते हैं, यानी कि - बमपिशाच?'

पेटूनिया आंटी ने सिर हिलाया।

वरनॉन अंकल ने पहले पेटूनिया आंटी, फिर डडली और फिर हैरी को देखा, जैसे वे यह उम्मीद कर रहे हों कि कोई चिल्लाकर कहेगा 'अप्रैल फूल!' जब कोई यह नहीं बोला, तो उन्होंने एक बार फिर अपना मुँह खोला, लेकिन उन्हें कुछ कहने की ज़हमत नहीं उठानी पड़ी, क्योंकि तभी उस शाम का तीसरा उल्लू आ धमका। खिड़की अब भी खुली थी और वह उल्लू उसमें से तोप के गोले की तरह धड़धड़ाता हुआ आया तथा धड़ाम से किचन की टेबल पर उतर गया। डर्स्ली परिवार के तीनों लोग डर के मारे उछल पड़े। हैरी ने जैसे ही उल्लू की चोंच से एक आधिकारिक सा दिखने वाला लिफ़ाफ़ा लेकर खोला, उल्लू वापस उड़कर रात के अँधेरे में खो गया।

'आज - बहुत - ज़्यादा उल्लू आ चुके हैं,' वरनॉन अंकल बुदबुदाए और उन्होंने खिड़की के पास जाकर उसे दोबारा बंद कर दिया।

प्रिय मिस्टर पॉटर,

लगभग बाईस मिनट पहले आपको लिखे गए हमारे पत्र के संदर्भ में आपको सूचित किया जाता है कि जादू मंत्रालय ने फ़ौरन आपकी छड़ी तोड़ने के अपने निर्णय को बदल लिया है। 12 अगस्त को होने वाली अनुशासनात्मक सुनवाई तक आप अपनी छड़ी अपने पास रख सकते हैं, जिस समय इस बारे में आधिकारिक निर्णय लिया जाएगा।

हॉगवर्ट्स जादूगरी और तंत्र विद्यालय के हेडमास्टर के साथ हुई बातचीत के पश्चात् मंत्रालय इस नतीजे पर पहुँचा है कि स्कूल से आपके निष्कासन का फ़ैसला भी उसी समय किया जाएगा। इसलिए आगामी सुनवाई तक आप ख़ुद को स्कूल से निलंबित मानें।

शुभकामनाओं सहित,

आपकी,

माफ़ाल्डा हॉपकर्क

अनुचित जादू प्रयोग कार्यालय

जादू मंत्रालय

हैरी ने इस चिट्ठी को लगातार तीन बार पढ़ा। उसके सीने की दुख भरी गाँठ थोड़ी ढीली हो गई। उसे यह जानकर राहत मिली कि उसे अभी स्कूल से पूरी तरह नहीं निकाला गया था, हालाँकि उसका डर अब भी बरक़रार था। सब कुछ बारह अगस्त को होने वाली सुनवाई पर निर्भर करता था।

'तो ?' वरनॉन अंकल ने हैरी को उसके आस-पास के माहौल में खींचते हुए कहा। 'अब क्या हुआ ? उन्होंने तुम्हें कोई सज़ा दे दी ? क्या तुम लोगों के यहाँ मौत की सज़ा मिलती है ?' उन्होंने बाद में यह सुखद कल्पना जोड़ते हुए कहा।

हैरी बोला, 'मुझे एक सुनवाई में जाना होगा।'

'और वे लोग तुम्हें वहाँ सज़ा देंगे ?'

'ऐसा ही लगता है।'

वरनॉन अंकल ने दुष्ट अंदाज़ में कहा, 'इसका मतलब यह है कि मुझे उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए।'

हैरी ने उठकर खड़े होते हुए कहा, 'अच्छा, अब अगर आपकी इजाज़त हो ...' वह अकेले में सोच-विचार करने और शायद रॉन, हर्माइनी या सिरियस को चिट्ठी भेजने के लिए छटपटा रहा था।

'नहीं, मैं अभी इजाज़त नहीं दे रहा हूँ!' वरनॉन अंकल दहाड़े। **'बैठ जाओ!'**

हैरी ने बेसब्री से पूछा, '*अब* क्या हुआ?'

'डडली!' वरनॉन अंकल गरजे। 'मैं पूरी बात जानना चाहता हूँ कि मेरे बेटे के साथ क्या हुआ है!'

'ठीक है!' हैरी चिल्लाया। उसकी छड़ी अब भी उसके हाथ में थी और ग़ुस्से के कारण उसकी नोक से लाल-सुनहरी चिंगारियाँ निकलने लगीं। डर्स्ली परिवार के तीनों लोग दहशत में आ गए।

अपने ग़ुस्से को क़ाबू में रखने की कोशिश करते हुए हैरी जल्दी-जल्दी बोला, 'डडली और मैं मैग्नोलिया क्रेसेन्ट और विस्टीरिया वॉक के बीच वाली गली से आ रहे थे। डडली मेरा मज़ाक़ उड़ाने लगा। मैंने अपनी छड़ी बाहर निकाली, लेकिन उसका इस्तेमाल नहीं किया। फिर दो दमपिशाच वहाँ आ गए-'

वरनॉन अंकल ने आवेश में पूछा, 'लेकिन बमपिशाच **क्या हैं?** वे **करते क्या हैं?**'

'मैंने आपको बताया तो था - वे इंसान के अंदर की सारी ख़ुशी चूस लेते हैं,' हैरी ने कहा। 'और अगर उन्हें मौक़ा मिलता है, तो वे चूम भी लेते हैं -'

'चूम लेते हैं?' वरनॉन अंकल ने कहा, जिनकी आँखें बाहर निकली पड़ रही थीं। '*चूम लेते हैं?*'

'चूमने का मतलब यह है कि वे इंसान के मुँह से उसकी आत्मा खींचकर बाहर निकाल लेते हैं।'

पेटूनिया आंटी की चीख़ निकल गई।

'उसकी *आत्मा*? उन्होंने उसकी आत्मा तो - उसकी आत्मा तो अब भी उसके अंदर -'

उन्होंने डडली के कंधे पकड़कर हिलाए, जैसे सुनना चाहती हों कि उसके भीतर उसकी आत्मा खड़खड़ा रही है या नहीं।

हैरी ने चिढ़कर कहा, 'ज़ाहिर है, वे उसकी आत्मा नहीं चूस पाए। अगर ऐसा हुआ होता, तो आपको पता चल जाता।'

'बेटे, तुमने मुक़ाबला करके उन्हें हरा दिया होगा?' वरनॉन अंकल ने

ज़ोर से कहा। वे बातचीत को अपनी समझ के दायरे में लाने के लिए छटपटा रहे थे। 'उन्हें ज़ोरदार पंच मारा होगा, है ना?'

हैरी ने दाँत भींचकर कहा, 'आप दमपिशाच को *ज़ोरदार पंच* नहीं मार सकते।'

वरनॉन अंकल ने शान झाड़ते हुए कहा, 'तो फिर वह सही-सलामत क्यों है? उसकी आत्मा उसके अंदर क्यों बची हुई है?'

'क्योंकि मैंने पितृदेव सम्मोहन का इस्तेमाल किया था -'

शाँय। खटपट, पंखों की आवाज़ और राख गिरने के साथ एक चौथा उल्लू किचन की अँगीठी में से बाहर निकला।

'भगवान के लिए!' वरनॉन अंकल गरजे। फिर उन्होंने ग़ुस्से में अपनी मूँछ से बहुत सारे बालों का गुच्छा उखाड़ लिया, जो उन्होंने काफ़ी समय बाद किया था। **'मैं इन उल्लुओं को अब यहाँ बर्दाश्त नहीं करूँगा। मैं बताए देता हूँ, मैं यह बर्दाश्त नहीं करूँगा!'**

लेकिन हैरी उल्लू के पैर से चर्मपत्र खींच चुका था। उसे विश्वास था कि यह चिट्ठी डम्बलडोर की होगी, जिसमें उन्होंने सब कुछ स्पष्ट कर दिया होगा - दमपिशाच, मिसेज़ फ़िग, मंत्रालय के इरादे और यह भी कि वे इस मामले को कैसे सुलझाना चाहते हैं। लेकिन जीवन में पहली बार उसे सिरियस की लिखावट देखकर निराशा हुई। वरनॉन अंकल के उल्लुओं के कोसने को नज़रअंदाज़ करते हुए और अपनी आँखों को सिकोड़ते हुए हैरी ने सिरियस का संदेश पढ़ा। इस दौरान उल्लू फिर से राख उड़ाता हुआ चिमनी से ऊपर चला गया।

आर्थर ने हमें अभी-अभी सारी घटना बताई है। तुम चाहे जो भी करो, घर मत छोड़ना।

हैरी को यह चिट्ठी बहुत छोटी और अधूरी लगी। इसमें उसे घटनाओं का कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला, इसलिए उसने चर्मपत्र को पलटकर देखा कि शायद बाक़ी का संदेश पीछे लिखा होगा, लेकिन वहाँ कुछ भी नहीं था।

अब उसका पारा दोबारा चढ़ने लगा। क्या कोई इस बात के लिए उसे 'शाबाशी' नहीं देगा कि उसने अकेले ही दो दमपिशाचों का मुक़ाबला करके उन्हें हरा दिया था? मिस्टर वीज़्ली और सिरियस की चिट्ठियों से तो ऐसा लग रहा था, जैसे उसने कोई ग़लत काम कर दिया हो और वे नुक़सान का अंदाज़ा लगने तक अपनी डाँट-फटकार बचाकर रख रहे हों।

'... मेरे घर में उल्लुओं का जमघट लगा हुआ है। लड़के, मैं यह बर्दाश्त

नहीं करूँगा, हर्गिज़ नहीं करूँगा –'

हैरी ने सिरियस की चिट्ठी को अपनी मुट्ठी में भींचते हुए कहा, 'मैं उल्लुओं को आने से तो नहीं रोक सकता।'

'मैं आज रात की घटना के बारे में सच्चाई जानना चाहता हूँ!' वरनॉन अंकल गरजे। 'अगर बमपिशाचों ने डडली पर हमला किया है, तो तुम्हें स्कूल से क्यों निकाला गया? तुमने ख़ुद यह माना है कि तुमने जादू किया था!'

हैरी ने एक गहरी साँस ली। उसका सिर दोबारा दर्द से फटा जा रहा था। अब वह बस इतना ही चाहता था कि किचन से बाहर निकले और डर्स्ली दंपति से दूर अपने कमरे में पहुँच जाए।

उसने बड़ी मुश्किल से शांत रहते हुए कहा, 'मैंने दमपिशाचों से छुटकारा पाने के लिए पितृदेव सम्मोहन का प्रयोग किया था। उन्हें भगाने का सिर्फ़ यही एक उपाय है।'

वरनॉन अंकल ने बौखलाकर पूछा, 'लेकिन बमपिशाच लिटिल व्हिंगिंग में *क्या कर रहे थे?*'

हैरी ने थके अंदाज़ में कहा, 'यह मैं आपको नहीं बता सकता। मुझे ख़ुद ही पता नहीं है।'

उसका सिर अब बुरी तरह दुख रहा था। उसका ग़ुस्सा कम होने लगा था और उसे थकान महसूस हो रही थी। डर्स्ली परिवार उसे घूरे जा रहा था।

'यह सारा बखेड़ा तुम्हारी वजह से ही हुआ है,' वरनॉन अंकल ज़ोर से बोले। 'लड़के, मैं यह बात जानता हूँ कि इसका ज़रूर तुम्हीं से कोई लेना-देना है। वरना वे यहाँ क्यों आते? वरना वे उस गली में क्यों आते? यहाँ आस-पास *तुम ही तो* अकेले – अकेले –' ज़ाहिर है, वे 'जादूगर' शब्द बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। '*अकेले – अजीब – व्यक्ति हो।*'

'मैं नहीं जानता कि वे यहाँ क्यों आए थे।'

लेकिन वरनॉन अंकल की बात सुनकर हैरी का थका हुआ दिमाग़ दोबारा सक्रिय हो गया। दमपिशाच लिटिल व्हिंगिंग में क्यों आए *थे? क्या यह सिर्फ़ संयोग था* कि वे उसी गली में आए थे, जहाँ हैरी था? या फिर उन्हें भेजा गया था? क्या अब दमपिशाचों पर जादू मंत्रालय का नियंत्रण नहीं रहा था? क्या वे अज़्काबान की पहरेदारी छोड़कर वोल्डेमॉर्ट के दल में शामिल हो गए थे, जैसी कि डम्बलडोर ने भविष्यवाणी की थी?

वरनॉन अंकल ने हैरी के विचारों की दिशा में आगे बढ़ते हुए कहा, 'ये बमपिशाच किसी जादूगरों की जेल की पहरेदारी करते हैं ना?'

'हाँ,' हैरी ने जवाब दिया।

काश उसका सिर दुखना बंद हो जाए ... काश वह किचन से बाहर निकल जाए और अपने अँधेरे बेडरूम में पहुँचकर *सोच* सके ...

'ओहो! ज़रूर वे तुम्हें गिरफ़्तार करने आए होंगे!' वरनॉन अंकल ने उस व्यक्ति की विजयी मुस्कान से कहा, जो किसी पक्के नतीजे पर पहुँच चुका था। 'ठीक है ना, लड़के? तुम क़ानून से भाग रहे हो!'

'ज़ाहिर है, मैं ऐसा नहीं कर रहा हूँ,' हैरी ने अपना सिर इस तरह हिलाया, जैसे कोई मक्खी उड़ा रहा हो। उसका दिमाग़ अब सरपट भाग रहा था।

'फिर क्यों?'

हैरी ने धीरे से कहा, 'उसने उन्हें भेजा होगा।' उसने यह बात वरनॉन अंकल से कम, ख़ुद से ज़्यादा कही थी।

'वह कौन? किसने उन्हें भेजा होगा?'

हैरी ने कहा, 'लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट ने।'

उसे यह बात अजीब लगी कि डर्स्ली दंपति 'जादूगर,' 'जादू' या 'छड़ी' जैसे शब्द सुनकर चौंक जाते थे, चिढ़ जाते थे और घबरा जाते थे, लेकिन दुनिया के सबसे बुरे जादूगर का नाम सुनकर उनके चेहरे पर शिकन तक नहीं आई।

'लॉर्ड – ज़रा ठहरो,' वरनॉन अंकल ने कहा। उनका चेहरा तन गया और उनकी सुअर जैसी आँखों में समझ का भाव तैरने लगा। 'मैंने यह नाम पहले भी सुना है ... यह वही है ना, जिसने –'

'हाँ, मेरे माता-पिता को मार डाला था,' हैरी ने कहा।

वरनॉन अंकल के चेहरे पर ऐसा कोई भाव नहीं आया कि हैरी के माता-पिता की हत्या दुखद विषय हो। इसके बजाय वे अधीरता से बोले, 'लेकिन वह तो चला गया था। उस दैत्याकार आदमी ने यही बताया था। वह चला गया था।'

हैरी ने भारी मन से कहा, 'लेकिन अब वह वापस लौट आया है।'

उसे यह बात बहुत अजीब लग रही थी कि वह पेटूनिया आंटी के चमचमाते किचन में, शानदार फ़्रिज और चौड़ी स्क्रीन के टेलीविज़न के पास वरनॉन अंकल से लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट के बारे में बातें कर रहा था। ऐसा लग रहा था, जैसे लिटिल व्हिंगिंग में दमपिशाचों के आने से वह बड़ी अदृश्य दीवार ढह गई हो, जो प्रिविट ड्राइव के ग़ैर-जादुई संसार और जादुई संसार के बीच खड़ी थी। हैरी की दोनों ज़िंदगियाँ अब आपस में मिल गई थीं और हर चीज़ उलट-पुलट

हो गई थी। डर्स्ली दंपति जादुई दुनिया के बारे में सवाल पूछ रहे थे, मिसेज़ फ़िग एल्बस डम्बलडोर को जानती थीं, दमपिशाच लिटिल व्हिंगिंग के चारों तरफ़ मँडरा रहे थे और हो सकता है कि वह कभी हॉगवर्ट्स न लौट पाए। हैरी का सिर दर्द तेज़ी से बढ़ने लगा।

'लौट आया?' पेटूनिया आंटी फुसफुसाईं।

वे इस वक़्त हैरी की तरफ़ जिस अंदाज़ में देख रही थीं, उस तरह उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। अचानक ज़िंदगी में पहली बार हैरी को इस बात का पूरी तरह एहसास हुआ कि पेटूनिया आंटी उसकी माँ की बहन थीं। वह यह तो नहीं बता सकता था कि उसे उस समय इस बात का इतनी शिद्दत से एहसास क्यों हुआ। वह तो बस इतना जानता था कि उस कमरे में वही अकेला नहीं था, जिसे यह समझ में आ रहा था कि लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट के लौटने का क्या मतलब था। पेटूनिया आंटी ने ज़िंदगी में पहले कभी उसे इस तरह से नहीं देखा था। उनकी बड़ी-बड़ी पीली आँखें (जो उनकी बहन से बहुत अलग थीं) नापसंदगी या ग़ुस्से में सिकुड़ी हुई नहीं थीं, बल्कि फैली और डरी हुई थीं। पेटूनिया आंटी ने हैरी के सामने पूरी ज़िंदगी जो नाटक किया था, वह अब ढह चुका था। अब तक वे यही कहती थीं कि जादू जैसी कोई चीज़ नहीं होती और वे वरनॉन अंकल के साथ जिस दुनिया में रहती हैं, उसके अलावा कोई दूसरी दुनिया नहीं होती है।

'हाँ,' हैरी ने कहा, जो अब सीधे पेटूनिया आंटी से बात कर रहा था। 'वह एक महीने पहले लौटा था। मैंने उसे देखा था।'

पेटूनिया आंटी के हाथों ने डडली के विशाल कंधों को जकड़ लिया।

'ज़रा ठहरो,' वरनॉन अंकल ने कहा, जो कभी अपनी पत्नी को, तो कभी हैरी को देख रहे थे। वे इस बात पर पूरी तरह से हैरान और दुविधाग्रस्त थे कि ज़िंदगी में पहली बार उन दोनों के बीच आपसी समझ दिख रही थी। 'ज़रा ठहरो। तुम कहते हो, यह लॉर्ड वॉल्डी लौट आया है।'

'हाँ।'

'वही, जिसने तुम्हारे माता-पिता की हत्या की थी?'

'हाँ।'

'और अब वह बमपिशाचों को तुम्हारे पीछे भेज रहा है?'

'लगता तो ऐसा ही है,' हैरी ने कहा।

'अच्छा,' वरनॉन अंकल ने अपनी पत्नी के फ़क़ चेहरे को देखने के बाद हैरी की तरफ़ दोबारा देखा और अपना पैंट ऊपर खिसकाया। वे फूलते दिख रहे थे। उनका बड़ा बैंगनी चेहरा हैरी की आँखों के सामने चौड़ा हो रहा था। उन्होंने

अपना सीना फुलाया, जिससे उनकी शर्ट कस गई, 'तो फ़ैसला हो गया। *लड़के, तुम इस घर से निकल जाओ!*'

'क्या ?' हैरी ने हैरानी से कहा।

'तुमने मेरी बात सुन ली – **बाहर निकल जाओ!**' वरनॉन अंकल दहाड़े, जिसे सुनकर पेटूनिया आंटी और डडली भी उछल पड़े। '**बाहर! बाहर!** मुझे यह काम बरसों पहले कर देना चाहिए था! उल्लुओं ने यहाँ डेरा डाल रखा है, पुडिंग में विस्फोट हो गया, मेरा आधा ड्राइंग रूम बर्बाद हो गया, डडली की पूँछ उग आई, मार्ज छत के पास हवा में तैरती रही और वह उड़ने वाली फ़ोर्ड एंग्लिया – **बाहर! बाहर!** तुमने सुन लिया! अब तुम्हारा-हमारा रिश्ता ख़त्म! अगर कोई सिरफिरा तुम्हारे पीछे हाथ धोकर पड़ा है, तो तुम यहाँ नहीं रुक सकते। तुम मेरी पत्नी और बेटे की ज़िंदगी ख़तरे में नहीं डाल सकते। तुम हम पर अपनी मुसीबतें नहीं थोप सकते। अगर तुम अपने घटिया माता-पिता के नक़्शेक़दम पर ही चलना चाहते हो, तो बहुत हो चुका! यहाँ से **बाहर निकल जाओ!**'

हैरी अपनी जगह पर बुत बना खड़ा रहा। मंत्रालय, मिस्टर वीज़्ली और सिरियस की चिट्ठियाँ उसके बाएँ हाथ में दबी हुई थीं। *तुम चाहे जो भी करो, घर मत छोड़ना।* ***अपने अंकल-आंटी का घर मत छोड़ना।***

'तुमने मेरी बात सुन ली!' वरनॉन अंकल ने आगे झुकते हुए कहा। उनका विशाल बैंगनी चेहरा अब हैरी के इतना क़रीब था कि बोलते समय उनका थूक हैरी के चेहरे पर उड़ रहा था। 'यहाँ से दफ़ा हो जाओ! अभी आधे घंटे पहले तुम यहाँ से जाने के लिए उतावले थे! अब मैं भी यही चाहता हूँ! बाहर चले जाओ और दोबारा कभी हमारी चौखट गंदी मत करना! मैं नहीं जानता कि हमने तुम्हें अपने घर में रखा ही क्यों था ? मार्ज सही कहती थी, तुम्हें तो अनाथालय भेज देना चाहिए था। हमारी दरियादिली के कारण हमें ही नुक़सान उठाना पड़ा। हमने सोचा था कि हम तुम्हारे अंदर का कचरा साफ़ कर सकते हैं। हमने सोचा था कि हम तुम्हें सामान्य आदमी बना सकते हैं, लेकिन तुम तो शुरू से ही गड़बड़ हो और अब मुझसे सहन नहीं हो रहा है – एक और उल्लू!'

पाँचवाँ उल्लू चिमनी से इतनी तेज़ी से नीचे आया कि सीधे फ़र्श से टकरा गया। फिर वह तेज़ी से चीख़ता हुआ हवा में उड़ने लगा। हैरी ने चिट्ठी पकड़ने के लिए अपना हाथ उठाया। वह एक लाल लिफ़ाफ़ा था। लेकिन उल्लू उसके सिर के ऊपर से उड़कर पेटूनिया आंटी की तरफ़ चला गया, जो चीख़ती हुई झुकीं और उन्होंने अपने हाथों से चेहरा ढँक लिया। उल्लू ने उनके सिर पर लाल लिफ़ाफ़ा टपका दिया। फिर वह चिमनी के रास्ते से ही ऊपर उड़ गया।

हैरी चिट्ठी उठाने के लिए आगे झपटा, लेकिन पेटूनिया आंटी उस तक

पहले पहुँच गईं।

हैरी ने कहा, 'आप चाहें, तो इसे खोल सकती हैं, लेकिन इसके अंदर की बात मैं वैसे भी सुन लूँगा। यह भोंपू है।'

वरनॉन अंकल गरजे, 'पेटूनिया, उसे फेंक दो। उसे मत छूना। वह ख़तरनाक हो सकता है!'

'इस पर मेरा नाम लिखा है,' पेटूनिया आंटी ने काँपती आवाज़ में कहा। 'वरनॉन, यह *चिट्ठी मेरे नाम* है, देखो! *मिसेज़ पेटूनिया डर्स्ली, किचन, नंबर चार, प्रिविट ड्राइव* –'

उन्होंने दहशत में साँस खींची, क्योंकि लाल लिफ़ाफ़े से धुआँ निकलने लगा था।

'इसे खोल लीजिए!' हैरी ने उन्हें उकसाया। 'मामला ख़त्म कर दीजिए! वैसे भी यह हो ही जाएगा।'

'नहीं।'

पेटूनिया आंटी का हाथ काँप रहा था। उन्होंने किचन में चारों तरफ़ देखा, जैसे बचाव का कोई रास्ता खोज रही हों, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी – लिफ़ाफ़े से आग की लपटें निकलने लगीं। पेटूनिया आंटी ने चीख़कर लिफ़ाफ़े को छोड़ दिया।

टेबल पर जल रहे लिफ़ाफ़े में से एक तेज़ आवाज़ निकली और किचन में गूँजने लगी।

'पेटूनिया, मेरी आख़िरी बात याद रखना।'

पेटूनिया आंटी को देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे वे बेहोश होने वाली हों। वे डडली के पास कुर्सी में धँस गईं और उन्होंने अपना चेहरा दोनों हाथों में छिपा लिया। लिफ़ाफ़े का बचा हुआ हिस्सा धीरे-धीरे राख बन गया।

'यह क्या है?' वरनॉन अंकल ने रुँधे गले से पूछा। 'क्या – मुझे कुछ – पेटूनिया?'

पेटूनिया आंटी कुछ नहीं बोलीं। डडली अपनी माँ को मुँह फाड़कर मूर्खतापूर्ण ढंग से देखे जा रहा था। बहुत भयानक ख़ामोशी छा गई थी। हैरी ने पूरी तरह चकराकर अपनी आंटी को देखा और उसका सिर इतनी ज़ोर से दुखने लगा, जैसे फटने वाला हो।

'पेटूनिया?' वरनॉन अंकल ने डरते-डरते कहा। 'पे-पेटूनिया?'

आंटी ने अपना सिर उठाया। वे अब भी काँप रही थीं। उन्होंने थूक गटका।

फिर वे धीरे से बोलीं, 'लड़का – लड़का कहीं नहीं जाएगा, वरनॉन।'

'क–क्या ?'

'वह यहीं रुकेगा,' उन्होंने हैरी की तरफ़ बिना देखे कहा और खड़ी हो गईं।

'वह ... लेकिन पेटूनिया ...'

पेटूनिया आंटी ने कहा, 'अगर हम उसे बाहर निकाल देंगे, तो पड़ोसी अनाप-शनाप बकेंगे।' पेटूनिया आंटी सामान्य अंदाज़ में बात करने की कोशिश कर रही थीं, हालाँकि उनका चेहरा अब भी काफ़ी पीला था। 'वे अजीब सवाल पूछेंगे। वे यह जानना चाहेंगे कि वह कहाँ गया है। हमें उसे रखना ही पड़ेगा।'

वरनॉन अंकल पुराने टायर की तरह पिचके हुए दिख रहे थे।

'लेकिन पेटूनिया डार्लिंग –'

पेटूनिया आंटी ने उनकी बात अनसुनी कर दी और हैरी की तरफ़ मुड़ीं।

उन्होंने कहा, 'तुम अपने कमरे में ही रहोगे। तुम घर से बाहर नहीं निकलोगे। इसी समय अपने कमरे में जाओ।'

हैरी हिला तक नहीं।

'वह भोंपू किसने भेजा था ?'

पेटूनिया आंटी ने उसे झिड़कते हुए कहा, 'सवाल मत पूछो।'

'क्या आप भी जादूगरों के संपर्क में हैं ?'

'मैंने तुमसे क्या कहा, अपने कमरे में जाओ!'

'इसका क्या मतलब था ? कौन सी आख़िरी बात याद रखनी थी ?'

'कमरे में जाओ!'

'लेकिन यह तो बताइए – ?'

'अपनी आंटी का कहना मानो! सीधे अपने कमरे में जाओ!'

अध्याय तीन

पहरेदार

जैसे ही हैरी अपने अँधेरे बेडरूम की डेस्क तक पहुँचा, उसने तीन अलग-अलग चर्मपत्रों पर ये शब्द लिखे।

मुझ पर अभी-अभी दमपिशाचों ने हमला किया है और मुझे हॉगवर्ट्स से निकाला जा सकता है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या हो रहा है और मैं यहाँ से कब बाहर निकलूँगा।

फिर उसने पहले चर्मपत्र पर सिरियस का, दूसरे पर रॉन का और तीसरे पर हर्माइनी का नाम लिखा। उसकी उल्लू हेडविग शिकार करने गई थी और उसका ख़ाली पिंजरा डेस्क पर पड़ा था। हैरी बेडरूम में टहलकर उसके लौटने का इंतज़ार करने लगा। उसका सिर दुख रहा था। उसकी आँखें जल रही थीं और थकान के मारे बंद हुई जा रही थीं, लेकिन उसके दिमाग़ में इतनी खलबली मची हुई थी कि उसे नींद नहीं आ सकती थी। डडली को सहारा देकर घर तक लाने के कारण उसकी पीठ में दर्द हो रहा था। इसके अलावा, खिड़की और डडली का मुक्का उसके सिर पर जहाँ टकराए थे, वहाँ दो गूमड़ उभर आए थे।

वह चहलक़दमी करता रहा। उसके अंदर ग़ुस्सा और कुंठा भरी थी। वह दाँत किटकिटा रहा था और मुक्का तान रहा था। जब भी वह खिड़की के पास से गुज़रता था, तो सितारों से भरे आसमान की तरफ़ ग़ुस्से से देखने लगता था। दमपिशाचों को उस पर हमला करने के लिए भेजा गया था। मिसेज़ फ़िग और मंडंगस फ़्लेचर चोरी छिपे उसकी निगरानी कर रहे थे। उसे हॉगवर्ट्स से निकाल दिया गया था और उसे सुनवाई के लिए जादू मंत्रालय में उपस्थित होना था - लेकिन इसके बावजूद कोई उसे यह बताने को तैयार नहीं था कि क्या हो रहा था।

और *वह* भोंपू *किस* बारे में था? किसकी आवाज़ इतने भयंकर तरीक़े से किचन में गूँजी थी?

बिना किसी जानकारी के वह यहाँ अब भी क्यों फँसा हुआ था? सभी लोग उसे किसी शरारती बच्चे की तरह क्यों समझा रहे थे? *जादू मत करना, घर के भीतर ही रहना ...*

उसने अपने स्कूल वाले संदूक के पास से गुज़रते समय ग़ुस्से में उसमें लात मारी। इससे उसका ग़ुस्सा तो कम नहीं हुआ, अलबत्ता उसकी हालत और ख़राब हो गई, क्योंकि अब बाक़ी शरीर के साथ-साथ उसके अँगूठे में भी तेज़ दर्द होने लगा।

जब वह लँगड़ाता हुआ खिड़की के पास से गुज़रा, तो हेडविग उसमें से अंदर आई। वह धीरे-धीरे पंख फड़फड़ा रही थी और छोटे सफ़ेद भूत जैसी दिख रही थी।

जब वह अपने पिंजरे के ऊपर आकर बैठ गई, तो हैरी गुर्राया, 'बहुत देर लगा दी! उसे नीचे रख दो। मैं तुम्हें काम के लिए बाहर भेजना चाहता हूँ!'

हेडविग की चोंच में मरा हुआ मेंढक दबा था। उसने मेंढक के ऊपर से हैरी को अपनी बड़ी-बड़ी, गोल आँखों से चिढ़कर घूरा।

'यहाँ आओ,' हैरी ने तीनों चर्मपत्र उठाते हुए और चमड़े के पट्टे से उसके पपड़ीदार पैरों में बाँधते हुए कहा। 'इन्हें फ़ौरन सिरियस, रॉन और हर्माइनी के पास ले जाओ। अच्छे लंबे जवाबों के बिना मत लौटना। ज़रूरत पड़े, तो उन्हें तब तक चोंच मारना, जब तक कि वे लंबे जवाब न लिख दें। समझ गईं?'

हेडविग ने एक दबी हुई आवाज़ निकाली। उसकी चोंच में मेंढक अब भी दबा हुआ था।

हैरी ने कहा, 'तो फिर जाओ।'

वह तत्काल उड़ गई। उसके जाते ही हैरी बगैर कपड़े बदले अपने बिस्तर पर लुढ़क गया और अँधेरी छत को एकटक देखने लगा। बाक़ी बातों पर दुखी होने के अलावा अब उसे इस बात पर भी अफ़सोस हो रहा था कि उसने हेडविग के साथ चिड़चिड़ा व्यवहार किया था। प्रिविट ड्राइव के मकान नंबर चार में वही तो उसकी इकलौती दोस्त थी। लेकिन कोई बात नहीं, जब वह सिरियस, रॉन और हर्माइनी के जवाब लेकर लौटेगी, तो वह उसे मना लेगा।

उन्हें जल्दी जवाब देना ही पड़ेगा। वे दमपिशाचों के हमले को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। शायद कल सुबह उसे सहानुभूति भरी तीन मोटी चिट्ठियाँ

मिलेंगी, जिनमें यह लिखा होगा कि उसे तत्काल रॉन के घर पहुँचाने की क्या व्यवस्था की जा रही है। इस राहत भरे विचार से उसे नींद आ गई, इसलिए वह आगे कुछ नहीं सोच पाया।

*

लेकिन हेडविग अगली सुबह नहीं लौटी। हैरी पूरे दिन अपने बेडरूम में ही रहा और सिर्फ़ बाथरूम जाने के लिए बाहर निकला। उस दिन पेटूनिया आंटी ने उसके कमरे में उस कैट-फ़्लैप से तीन बार खाना सरकाया, जिसे वरनॉन अंकल ने तीन साल पहले लगाया था। जब भी हैरी पेटूनिया आंटी के क़दमों की आहट सुनता था, वह हर बार उनसे भोंपू के बारे में सवाल पूछता था। लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। उनसे बात करने से उतना ही फ़ायदा हुआ, जितना बेज़ुबान दरवाज़े से करने से होता। इसके अलावा डर्स्ली परिवार उसके बेडरूम से दूर ही रहा। हैरी भी उनके पास नहीं जाना चाहता था। उनसे दोबारा टकराने से कोई फ़ायदा नहीं होना था। उल्टे इस बात का डर था कि उसे शायद फिर ग़ुस्सा आ जाएगा और वह ग़ैर-क़ानूनी जादू कर बैठेगा।

यह सिलसिला पूरे तीन दिन तक चलता रहा। बीच-बीच में हैरी निठल्लेपन से बेचैन होकर कभी-कभार अपने बेडरूम में घूमने लगता था और उन सभी लोगों पर ग़ुस्सा होता रहता था, जिनकी वजह से उसे यहाँ क़ैद रहना पड़ रहा था। लेकिन आम तौर पर वह घंटों अपने बिस्तर पर लेटा-लेटा शून्य में ताकता रहता था और मंत्रालय की सुनवाई के बारे में सोच-सोचकर दहशत में आ जाता था।

अगर फ़ैसला उसके ख़िलाफ़ हुआ, तो क्या होगा? अगर उसे स्कूल से निकाल दिया *गया* और उसकी छड़ी के दो टुकड़े कर दिए गए, तो क्या होगा? वह क्या करेगा? वह कहाँ जाएगा? वह हमेशा तो डर्स्ली परिवार के साथ नहीं रह सकता, क्योंकि अब उसे जादू की दुनिया के बारे में मालूम चल चुका था, जो उसकी असली दुनिया थी। क्या वह सिरियस के घर में रह सकता है, जैसा सिरियस ने एक साल पहले मंत्रालय की पकड़ से फ़रार होने से पहले सुझाव दिया था? क्या नाबालिग़ हैरी को वहाँ अकेले रहने की इजाज़त मिल जाएगी? या फिर इसका फ़ैसला कोई और करेगा कि वह कहाँ रहेगा? क्या अंतर्राष्ट्रीय जादूगर महासंघ के गोपनीयता क़ानून को तोड़ना इतना गंभीर अपराध था कि उसे अज़्काबान की जेल में क़ैद कर दिया जाएगा? जब भी उसके मन में यह विचार आता था, वह हमेशा अपने पलंग से उतरकर चहलक़दमी करने लगता था।

हेडविग के जाने के बाद चौथी रात को हैरी अपने बिस्तर पर सुस्त

पड़ा-पड़ा छत को घूर रहा था। उसका दिमाग़ पूरी तरह ख़ाली था। तभी वरनॉन अंकल उसके बेडरूम में दाख़िल हुए। हैरी ने धीरे-धीरे मुड़कर उन्हें देखा। वरनॉन अंकल अपना सबसे अच्छा सूट पहने हुए थे और उनके चेहरे पर गर्व का भाव था।

उन्होंने कहा, 'हम बाहर जा रहे हैं।'

'क्या ?'

'हम – यानी तुम्हारी आंटी, डडली और मैं – बाहर जा रहे हैं।'

हैरी ने दोबारा छत की तरफ़ देखते हुए भावहीन अंदाज़ में कहा, 'अच्छा।'

'हमारी ग़ैर-हाज़िरी में तुम अपने बेडरूम से बाहर नहीं निकलोगे।'

'ठीक है।'

'तुम टी.वी., स्टीरियो या हमारा कोई और सामान नहीं छुओगे।'

'ठीक है।'

'तुम हमारे फ़्रिज से खाने-पीने का सामान निकालकर नहीं खाओगे।'

'ठीक है।'

'मैं तुम्हारे दरवाज़े पर ताला लगाकर जा रहा हूँ।'

'ठीक है, लगा दीजिए।'

वरनॉन अंकल ने हैरी को घूरकर देखा। वे इस बात पर हैरान थे कि वह बहस क्यों नहीं कर रहा था। फिर वे बेडरूम से बाहर निकले और उन्होंने दरवाज़ा बंद कर दिया। हैरी को चाबी घूमने की आवाज़ सुनाई दी और फिर वरनॉन अंकल के तेज़ी से सीढ़ियाँ उतरने की आवाज़ आई। कुछ मिनट बाद उसने कार के दरवाज़ों के बंद होने, इंजन के चालू होने और कार के ड्राइव से बाहर निकलने की आवाज़ें सुनीं।

डर्स्ली परिवार के जाने से हैरी के मन में कोई भावना नहीं जगी थी। उनके घर पर रहने या न रहने से उसे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता था। वह तो इतनी भी शक्ति नहीं बटोर पा रहा था कि उठकर अपने बेडरूम की लाइट जला ले। कमरा अँधेरे में डूबता गया और वह लेटा-लेटा खिड़की से रात की आवाज़ें सुनता रहा। उसकी खिड़की चौबीसों घंटे खुली रहती थी। वह हेडविग की वापसी के सुखद पल का इंतज़ार कर रहा था।

ख़ाली घर में चरमराने और पाइप में पानी बहने की आवाज़ें आ रही थीं। हैरी उनींदी अवस्था में लेटा रहा। वह दुख में डूबा हुआ था, लेकिन किसी

ख़ास चीज़ के बारे में नहीं सोच रहा था।

तभी उसे नीचे किचन में किसी चीज़ के टूटने की आवाज़ आई।

वह उठकर बैठ गया और ग़ौर से सुनने लगा। डर्स्ली दंपति इतनी जल्दी नहीं लौट सकते थे। वे अभी तो गए ही थे और वैसे भी उसने उनकी कार के आने की आवाज़ नहीं सुनी थी।

कुछ पल तक सन्नाटा छाया रहा और फिर लोगों के बात करने की आवाज़ें आने लगीं।

उसने अपने पलंग से उतरकर खड़े होते हुए सोचा, *चोर* होंगे। लेकिन एक पल बाद ही उसने सोचा कि चोर अपनी आवाज़ों को दबाने की कोशिश करेंगे, लेकिन जो भी किचन में घूम रहा था, वह तो अपनी आवाज़ दबाने की ज़हमत ही नहीं उठा रहा था।

उसने अपने पलंग के पास वाली टेबल से छड़ी उठाई और बेडरूम के दरवाज़े के सामने खड़े होकर सुनने की पूरी कोशिश करने लगा। अगले ही पल उसके होश उड़ गए, क्योंकि ताले में ज़ोरदार क्लिक की आवाज़ हुई और दरवाज़ा खुल गया।

हैरी किसी बुत की तरह खड़ा रहा और खुले दरवाज़े से अँधेरी सीढ़ियों की तरफ़ घूरता रहा। वह आवाज़ें सुनने के लिए अपने कान लगाए था, लेकिन उसे तिनका गिरने तक की आवाज़ नहीं आई। वह एक पल के लिए झिझका, फिर तेज़ क़दमों से चुपचाप बेडरूम से बाहर निकलकर सीढ़ियों के पास पहुँच गया।

उसका दिल उछलकर उसके गले तक आ गया। नीचे अँधेरे हॉल में कुछ लोग खड़े हुए थे। उनकी आकृतियाँ काँच के दरवाज़े के बाहर चमक रहे स्ट्रीटलैंप में दिख रही थीं। जहाँ तक वह देख सकता था, वे आठ-नौ लोग थे और वे सभी उसी की तरफ़ देख रहे थे।

फिर एक धीमी, गुर्राती आवाज़ आई, 'अपनी छड़ी नीचे कर लो, लड़के, वरना तुम किसी की आँख फोड़ दोगे।'

हैरी का दिल बेतहाशा धड़कने लगा। वह उस आवाज़ को पहचानता था, लेकिन उसने अपनी छड़ी नीचे नहीं की।

उसने अनिश्चितता से कहा, 'प्रोफ़ेसर मूडी ?'

उस आवाज़ ने दोबारा गुर्राकर कहा, 'मैं "प्रोफ़ेसर" के बारे में तो ज़्यादा नहीं जानता। ज़्यादा पढ़ा नहीं पाया, है ना ? तुम नीचे उतरकर यहाँ आ जाओ। हम तुम्हें ठीक से देखना चाहते हैं।'

हैरी ने अपनी छड़ी थोड़ी झुका ली, लेकिन वह उसे अब भी मज़बूती से पकड़े रहा और हिला तक नहीं। उसके पास शक करने का बहुत अच्छा कारण था। नौ महीने तक वह जिसे बावरे-नैन मूडी मानता रहा था, बाद में यह पता चला था कि वह मूडी नहीं, बल्कि एक बहुरूपिया था, जिसने भंडाफोड़ होने से पहले हैरी की जान लेने की कोशिश की थी। लेकिन इससे पहले कि वह कुछ करने का निर्णय ले पाता, नीचे से दूसरी भर्राई हुई आवाज़ आई।

'सब ठीक है, हैरी। हम तुम्हें यहाँ से ले जाने आए हैं।'

हैरी का दिल बल्लियों उछलने लगा। वह उस आवाज़ को भी पहचानता था, हालाँकि उसे सुने हुए एक साल से भी ज़्यादा अरसा हो चुका था।

'प्रोफ़ेसर ल्यूपिन?' उसने अविश्वास से कहा। 'क्या आप हैं?'

'हम अँधेरे में क्यों खड़े हैं?' किसी महिला की आवाज़ आई, जो हैरी ने पहले कभी नहीं सुनी थी। *'प्रकाशित भव।'*

छड़ी की नोक से रोशनी हुई और पूरे हॉल में जादू से रोशनी हो गई। हैरी ने पलकें मिचमिचाईं। नीचे खड़े लोग सीढ़ियों के किनारे से उसे घूर रहे थे और ज़्यादा अच्छी तरह से देखने के लिए अपनी गर्दन भी उचका रहे थे।

रीमस ल्यूपिन उसके सबसे क़रीब खड़े थे। हालाँकि ल्यूपिन की उम्र कम थी, लेकिन वे थके हुए और थोड़े बीमार दिख रहे थे। जब हैरी ने आख़िरी बार उनसे विदा ली थी, उसके बाद से उनके बाल ज़्यादा सफ़ेद हो चुके थे। उनके कपड़े भी पहले से ज़्यादा पैबंद लगे और फटे-पुराने दिख रहे थे। बहरहाल, वे हैरी की तरफ़ देखकर मुस्करा रहे थे, इसलिए उसने भी सदमे के बावजूद मुस्कराने की भरपूर कोशिश की।

'अरे, मुझे जैसी उम्मीद थी, यह तो वैसा ही दिखता है,' वह जादूगरनी बोली, जिसने रोशनी वाली छड़ी को पकड़ रखा था। वह बाक़ी सबसे कम उम्र की लग रही थी। उसका पीला मुँह दिल के आकार का था। उसकी काली आँखें चमकदार थीं और उसके छोटे बाल बैंगनी रंग के थे। 'हैलो, हैरी!'

'हाँ, मैं तुम्हारी बात का मतलब समझ गया, रीमस,' सबसे पीछे खड़े एक गंजे काले जादूगर ने कहा। उसकी आवाज़ भारी तथा धीमी थी और वह अपने कान में सोने की बाली पहने था – 'वह बिलकुल जेम्स जैसा दिखता है।'

'आँखों को छोड़कर,' घरघराती आवाज़ और सफ़ेद बालों वाले एक जादूगर ने पीछे से कहा। 'उसकी आँखें लिली जैसी हैं।'

सफ़ेद, लंबे और खिचड़ीदार बालों वाले बावरे-नैन मूडी, जिनकी नाक का एक बड़ा टुकड़ा ग़ायब था, हैरी को शक भरी निगाह से देख रहे थे। उनकी

एक आँख छोटी, काली और मनकेदार थी, जबकि दूसरी आँख बड़ी, नीली और गोल थी - यह जादुई आँख थी, जो दीवारों और दरवाज़ों के पार तो देख ही सकती थी, मूडी के सिर के पीछे भी देख सकती थी।

वे गुर्राकर बोले, 'ल्यूपिन, क्या तुम्हें पूरा यक़ीन है कि यह हैरी ही है? कहीं हम उसके भेस में छिपे किसी प्राणभक्षी को तो नहीं ले जा रहे हैं? हमें उससे कोई ऐसा सवाल पूछना चाहिए, जिसका जवाब सिर्फ़ असली पॉटर ही दे सकता हो, जब तक कि कोई सत्यद्रव न लाया हो?'

ल्यूपिन ने पूछा, 'हैरी, तुम्हारा पितृदेव कौन सा रूप धारण करता है?'

'मृग का,' हैरी ने घबराकर कहा।

ल्यूपिन बोले, 'बावरे-नैन, यह हैरी ही है।'

हैरी को पता था कि सभी उसे घूर रहे हैं। वह सीढ़ियाँ उतरा और उसने अपनी छड़ी जीन्स की पीछे वाली जेब में खोंस ली।

मूडी गरजकर बोले, 'अपनी छड़ी वहाँ मत रखो, लड़के! अगर यह जल गई, तो क्या होगा? तुम्हें पता है, ऐसा करते समय तुमसे बेहतर जादूगरों के पुट्ठे जल चुके हैं!'

बैंगनी बालों वाली औरत ने बावरे-नैन को दिलचस्पी से देखते हुए पूछा, 'आप ऐसे कितने जादूगरों को जानते हैं, जिनके पुट्ठे जल चुके हैं?'

'तुम्हें उससे मतलब! हैरी, तुम तो बस अपनी छड़ी अपनी पीछे वाली जेब से बाहर रखो!' बावरे-नैन ने गुर्राते हुए कहा। 'यह छड़ी की सुरक्षा का प्रारंभिक नियम है, लेकिन दुर्भाग्य से अब कोई इस तरफ़ ध्यान नहीं देता है।' फिर वे किचन की तरफ़ बढ़ने लगे। जब उस औरत ने छत की तरफ़ देखकर आँखें चढ़ाईं, तो मूडी ने चिढ़कर आगे कहा, 'तुम्हारी हरकत मैंने देख ली है।'

ल्यूपिन ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर हैरी से हाथ मिलाया।

उन्होंने हैरी को पास से देखते हुए पूछा, 'तुम कैसे हो?'

'अ-अच्छा ...'

हैरी को यक़ीन ही नहीं हो रहा था कि यह सच है। चार हफ़्ते तक कुछ नहीं हुआ था। उसे प्रिविट ड्राइव से निकालने की योजना की ज़रा सी भी भनक नहीं लगी थी और अचानक बहुत सारे जादूगर उस मकान में ऐसे खड़े थे, जैसे यह बहुत पुरानी योजना हो। उसने ल्यूपिन के आस-पास खड़े जादूगरों की तरफ़ देखा, जो उसे अब भी कौतूहल से देख रहे थे। अब उसका ध्यान इस तरफ़ गया कि उसने चार दिन से अपने बाल तक नहीं काढ़े थे।

उसने बुदबुदाकर कहा, 'मैं – आप लोग सचमुच ख़ुशक़िस्मत हैं कि डर्स्ली परिवार आज बाहर गया है ...'

'ख़ुशक़िस्मत, आ-हा!' बैंगनी बालों वाली महिला बोली। 'मैंने ही तो उन्हें लालच देकर बाहर भेजा है। उन्हें मगलुओं की डाक से एक चिट्ठी भेजी थी, जिसमें उन्हें बताया था कि उन्होंने इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ उपनगरीय लॉन प्रतियोगिता का इनाम जीत लिया है। वे लोग इस समय पुरस्कार-वितरण समारोह में पुरस्कार लेने जा रहे हैं ... कम से कम उन्हें लग तो यही रहा है।'

हैरी कल्पना करने लगा कि जब वरनॉन अंकल को यह पता चलेगा कि इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ उपनगरीय लॉन प्रतियोगिता जैसी कोई चीज़ नहीं हुई थी, तो उनका चेहरा कैसा दिखेगा।

उसने पूछा, 'हम लोग चल रहे हैं, है ना? जल्दी?'

'बस तुरंत ही,' ल्यूपिन ने कहा, 'बस रास्ता साफ़ होने के संकेत का इंतज़ार है।'

हैरी ने आशा से पूछा, 'हम कहाँ जा रहे हैं? रॉन के घर?'

'नहीं, नहीं, रॉन के घर नहीं,' ल्यूपिन ने हैरी को किचन की तरफ़ आने का इशारा करते हुए कहा। बाक़ी जादूगर भी पीछे-पीछे आ गए। वे अब भी हैरी को कौतूहल से देख रहे थे। 'वहाँ रहना बहुत ख़तरनाक है। हमने किसी अज्ञात जगह पर मुख्यालय बनाया है। इसमें थोड़ा समय ज़रूर लग गया ...'

बावरे-नैन मूडी अब किचन की टेबल पर बैठकर अपने थर्मस से कुछ पी रहे थे। उनकी जादुई आँख सभी दिशाओं में घूम रही थी और डर्स्ली दंपति के मेहनत बचाने वाले कई उपकरणों को देख रही थी।

ल्यूपिन ने मूडी की तरफ़ इशारा करते हुए कहा, 'हैरी, ये अलैस्टर मूडी हैं।'

'हाँ, मैं जानता हूँ,' हैरी ने अचकचाते हुए कहा। उसे यह अजीब लग रहा था कि उसका परिचय एक ऐसे व्यक्ति से कराया जा रहा है, जिसे वह एक साल से जानता था, या कम से कम उसे लगता तो ऐसा ही था।

'और यह निम्फ़ैडोरा है –'

'मुझे निम्फ़ैडोरा *मत* कहो, रीमस,' युवा जादूगरनी ने काँपते हुए कहा, 'मेरा नाम टौंक्स है।'

'निम्फ़ैडोरा टौंक्स, जो सिर्फ़ अपने सरनेम से ही पहचानी जाना पसंद करती है।'

टौंक्स बुदबुदाई, 'अगर तुम्हारी मूर्ख माँ ने तुम्हारा नाम *निम्फ़ैडोरा* रखा होता, तो तुम भी ऐसा ही करते।'